ऑनलाइन पाठ्य सामग्री

2DCA2

INTERNET & E-COMMERCE

इकाई – दो

सुश्री तुलना त्रिवेदी

फैकल्टी,कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग

प्रशांत पाराशर

ट्यूटर , प्रबंधन विभाग

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

B -38, विकास भवन ,एम पी नगर,जोन –I, भोपाल

इकाई – II

1. इंटरनेट के ऍप्लिकेशन्स

अपने शुरूआत के दिनों में इंटरनेट का उपयोग सिर्फ वैज्ञानिकों द्वारा एक दूसरे को रिसर्च पेपर तथा अन्य सूचनाएं साझा करने तक सीमित था। लेकिन धीरे- धीरे इंटरनेट का विकास होता गया और इसमें नई-नई तकनीक को जोड़ा गया। आधुनिक इंटरनेट हमारी जीवनशैली का हिस्सा हो गया है। हमारे रोजमर्रा के लगभग सारे कार्य इंटरनेट के माध्यम से घर बैठकर किये जाने लगे है। अपने शुरूआत में इंटरनेट सिर्फ सूचनाओं के साझा करने तक सीमित था लेकिन वर्तमान में इंटरनेट का विस्तार लगभग हर क्षेत्र में हो चुका है। इंटरनेट का उपयोग चिकित्सा से लेकर दैनिक उपयोग के सामान की खरीदी तक किया जा सकता है और विभिन्न क्षेत्रों में इसका उपयोग निम्नलिखित है -

1.1 शिक्षा

इंटरनेट की दुनिया में **e-Learning** (ई-शिक्षा) का क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आज इंटरनेट के माध्यम से हम घर में बैठकर ही अपने लिए मनपसंद कॉलेज, स्कूल चुन सकते है। इसके अलावा हमारे पसंद के कोर्स किस कॉलेज में उपलब्ध है और उस कोर्स के बारे में सारी जानकारी तथा कोर्स की फीस, कोर्स का समयावधि आदि जानकारी हम अपने कम्प्युटर पर प्राप्त कर कर सकते है। आज ई-लर्निंग का क्षेत्र काफी विकसित हो चुका है। हम घर बैठे-बैठे ही दुनिया के बेहतरीन अध्यापकों से पढ़ सकते है और दुनिया की टॉप युनिवर्सीटीज में एडमिशन लेकर पढ़ाई करने की सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं।

1.2 संचार

इंटरनेट का सबसे अधिक उपयोग हम एक दूसरे से सम्पर्क साधने के लिए करते है। इंटरनेट के द्वारा हम कभी भी और कहीं भी शीघ्रता से अपने परिचितों को संदेशा भेज एवं प्राप्त कर सकते है। इंटरनेट पर संदेश भेजने का एक तरीका ई-मेल है। ई-मेल के अलावा सोशल मीडिया साईट्स जैसे फेसबुक, ट्वीटर, वाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम आदि के जरिए हम ऑनलाइन अपने करीबियों से जुड़ सकते है और उनकी हर एक गतिविधियों को अपनी आँखों से देख सकते है।

1.3 जानकारी सर्च करने के लिए -

इंटरनेट को विकसित ही इसलिए किया गया था कि जानकारियों का आदान प्रदान किया जा सके। आज से पहले कभी भी इस प्रकार सूचनाएं प्राप्त करना आसान नहीं था।लेकिन आज हम इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने से जानकारीयाँ प्राप्त कर सकते है और वो भी कुछ सैकंड्स में। हम दुनिया के हर कोने की खबर घर बैठे अपने कम्प्युटर पर ले सकते है। इंटरनेट पर जानकारी/सूचनाएं खोजने के लिए सर्च इंजन का उपयोग किया जाता है।

1.4 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

यह वेब कैमरा, माइक्रोफोन और अन्य संचार उपकरणों के माध्यम से पूरे नेटवर्क में आमने-सामने के संचार को सक्षम बनाता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लोगों को दूर स्थानों में समय और धन की बचत के साथ अल्प अवधि की सूचना पर बैठकों में भाग लेने की सुविधा प्रदान करता है । इस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कर्मचारी घर से काम भी करते हैं। जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग शिक्षा में किया जाता है, तो शिक्षक से शिक्षक, शिक्षक से कक्षा , कक्षा से कक्षा में विभिन्न स्थानों पर उपस्थित छात्रों के साथ इंटरैक्टिव संचार करना आसान होता है।

1.5 ट्रेवल

एक व्यक्ति विभिन्न पर्यटन स्थल के बारे में जानकारी जुटाने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर सकता है। इसका उपयोग हॉलिडे टूर , होटल, ट्रेन, बस, उड़ान और टैक्सी की बुकिंग के लिए किया जा सकता है। इस सेवा को प्रदान करने वाली कुछ वेबसाइट goibibo.com, makemytrip.com, olacabs.com हैं।

1.6 मनोरंजन -

इंटरनेट का उपयोग मनोरंजन के साधन के रूप में किया जाता है। मनोरंजन के क्षेत्र में विकल्प असीमित है। इसके माध्यम से हम फिल्में, गाने, वीडियो आदि को देख तथा सुन सकते है। पढ़ने के शौकीन अपने मनपसंद लेखक को पढ़ सकते है। इसके अलावा वीडियो गेम की दुनिया हर वक्त खुली होती है। यूट्यूब पर लाखों मनोरंजन चैनल मौजूद है, जिनके ऊपर रोजाना कॉमेडी, शायरीयाँ, रोमेंटिक विडियो, फिल्म डायलॉग्स, देशी कलाकारों द्वारा निर्मित वीडियो, गाने आदि अपलोड किये जा रहे है। यह मनोरंजन बिना शुल्क के प्राप्त कर सकते है। यदि वीडियो बनाने का शौक है तो इसके लिए खुद का वीडियो बनाकर यूट्यूब चैनल पर अपलोड कर सकते है। इसी तरह कई माईक्रो वीडियो प्लैटफॉर्म्स पर भी वीडियो देखें व बनाए जा सकते है।

1.7 शॉपिंग

इंटरनेट के माध्यम से किया व्यापर ई-व्यापार (e-Commerce) कहलाता है।इंटरनेट के माध्यम से बाजार को घर से ही देखा जा सकता है और अपना सामान खरीदा जा सकता है। इसके द्वारा घर बैठे ही ढेरों विकल्प एक साथ देखकर पसंद से अपना सामान खरीद सकते है। इसके अलावा प्रचलित फैशन की जानकारी भी जुटाई जा सकती है। अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, पेटीएम मॉल, मिंत्रा, वालमॉर्ट, अलीबाबा, ईबे कुछ प्रचलित ऑनलाईन शॉपिंग मार्केटप्लैस है।

1.8 सोशल नेटवर्किंग

इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया प्रोग्राम्स का उपयोग करके हम मित्रों,सहपाठियों, परिवार, ग्राहक और ग्राहकों के साथ संचार स्थापित कर सकते है। सोशल मीडिया प्रोग्राम्स का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों, व्यावसायिक उद्देश्यों या दोनों के लिए किया जा सकता है। यह प्रोग्राम्स व्यक्तियों के बीच सहयोग को दर्शाता है और नए संपर्कों को या जिन मित्रों से मिलने की कभी सम्भावना नहीं थी , उनसे भी संचार स्थापित करने की सुविधा प्रदान करता है। सामाजिक नेटवर्किंग के उदहारण में facebook , linkedin classmates.com और yelp शामिल हैं।

1.9 ई-गवर्नेस

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम इस दिशा में किया गया एक प्रयास है। जिसके तहत डिजिटल रूप में सरकारी सुविधाओं को आम जनता के लिए सुलभ करवाने का प्रयास है। इसके परिणाम स्वरूप अधिकतर सरकारी सेवाएँ ऑनलाईन उपलब्ध होने लगी है। राशन कार्ड, आधार कार्ड से लेकर पेंशन तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ ले सकते है।

1.10 ऑनलाइन भुगतान

भारत में ऑनलाइन भुगतान के बढ़ते उछाल ने उद्योग में कई नए स्टार्टअप को रास्ता दिया है, जैसे कि पेटीएम, मोबिक्विक आदि। जो अधिकांश वॉलेट संचालित भुगतान कंपनियां हैं। यह वृद्धि स्मार्टफोन, टैबलेट एवं हाई स्पीड ब्रॉडबैंड, 4 जी आदि के माध्यम से इंटरनेट के उपयोग के कारण तेजी से अपनाई गई है।

1.11 चिकित्सा

चिकित्सा के क्षेत्र में इन्टरनेट का बड़े स्तर पर उपयोग किया जा रहा है | आजकल कई पैथोलॉजी लैब विभिन्न प्रकार के मानव शरीर के सैंपल एकत्रित करके बड़ी लैब में टेस्ट के लिए भेजते है एवं वेबसाइट के माध्यम से रिपोर्ट बहुत जल्दी मरीज को मिल जाती है, जिससे त्वरित इलाज रिपोर्ट के अनुसार मिल जाता है। विभिन्न दवाइयों के

बारे में इनफार्मेशन को देखना या दवाइयों का आर्डर करना और पेमेंट ऑनलाइन माध्यम से करना आदि कार्यो के लिए इन्टरनेट का उपयोग बड़े स्तर पर हो रहा है |

2. वेब ब्राउज़र

वेब ब्राउजर एक एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर है जो हमें वेब पर जानकारी देखने और पता लगाने की अनुमति देता है। उपयोगकर्ता किसी भी वेब पेज पर केवल एड्रेस बार में एक URL दर्ज करके वांछित वेब पेज के लिए अनुरोध कर सकता है। वेब ब्राउज़र टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो, एनीमेशन आदि दिखा सकता है। यह वेब पेज में निहित टेक्स्ट और कमांड्स की व्याख्या करने की जिम्मेदारी वेब ब्राउज़र की होती है। पहले वेब ब्राउजर सिर्फ टेक्स्ट-आधारित थे, जबकि अब ग्राफिकल-आधारित या वॉयस-आधारित वेब ब्राउजर भी उपलब्ध हैं।

आज उपलब्ध सबसे आम वेब ब्राउज़र निम्नलिखित हैं -

ब्राउज़र	**वेंडर**
इंटरनेट एक्स्प्लोरर	माइक्रोसॉफ्ट
गूगल क्रोम	गूगल
मोज़िला फायरफॉक्स	मोज़िला
नेटस्केप नेविगेटर	नेटस्केप कम्युनिकेशन्स कॉर्प
ऑपेरा	ऑपेरा सॉफ्टवेयर
सफारी	एप्पल

2.1 वेब ब्राउजर का आर्किटेक्चर

बाजार में बहुत सारे वेब ब्राउज़र उपलब्ध हैं। वे सभी स्क्रीन पर जानकारी की व्याख्या और प्रदर्शन करते हैं, हालांकि कार्यान्वयन के आधार पर उनकी क्षमता और संरचना भिन्न होती है। लेकिन सभी वेब ब्राउज़र को प्रदर्शित करने वाले सबसे बुनियादी घटक नीचे सूचीबद्ध हैं:

- कंट्रोलर / डिस्पैचर
- इंटरप्रेटर
- क्लाइंट प्रोग्राम्स
- **कंट्रोलर** - कंट्रोलर सीपीयू में एक नियंत्रण इकाई के रूप में काम करता है। यह कीबोर्ड या माउस से इनपुट लेता है, इसकी व्याख्या करता है और इससे प्राप्त होने वाले इनपुट के आधार पर काम करने के लिए अन्य सेवाओं का संचालन करता है।
- **इंटरप्रेटर** - इंटरप्रेटर कंट्रोलर से जानकारी प्राप्त करता है और प्राप्त निर्देशों को पंक्ति दर पंक्ति निष्पादित करता है। कुछ इंटरप्रेटर अनिवार्य हैं, जबकि कुछ वैकल्पिक हैं। उदाहरण के लिए, HTML इंटरप्रेटर प्रोग्राम अनिवार्य है और जावा इंटरप्रेटर प्रोग्राम वैकल्पिक है।
- **क्लाइंट प्रोग्राम्स** - क्लाइंट प्रोग्राम विशिष्ट प्रोटोकॉल का वर्णन करता है, जिसका उपयोग किसी विशेष सेवा तक पहुंचने के लिए किया जाता है । निम्नलिखित क्लाइंट प्रोग्राम हैं जो आमतौर पर उपयोग किए जाते हैं –

- **एच टी टी पी (HTTP)** - HTTP (हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल) वर्ल्ड वाइड वेब पर फाइल्स जैसे कि टेक्स्ट, ग्राफिक इमेज, ऑडियो, वीडियो और अन्य मल्टीमीडिया फाइल्स को स्थानांतरित करने के लिए नियमों का एक सेट है। जैसे ही कोई वेब उपयोगकर्ता अपना वेब ब्राउज़र खोलता है, उपयोगकर्ता अप्रत्यक्ष रूप से HTTP का उपयोग करता है।
- **एस एम टी पी (SMTP)** - सिंपल मेल ट्रांसफर प्रोटोकॉल का उपयोग सर्वर के बीच ई-मेल संदेश भेजने के लिए किया जाता है । अधिकांश ई-मेल सिस्टम जो इंटरनेट पर मेल भेजते हैं, एक सर्वर से दूसरे सर्वर पर संदेश भेजने के लिए एसएमटीपी का उपयोग करते हैं।
- **एफ टी पी (FTP)** - एफ़टीपी को फ़ाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल कहा जाता है। एफ़टीपी एक स्टैण्डर्ड इंटरनेट प्रोटोकॉल है जो टीसीपी / आईपी द्वारा प्रदान किया जाता है और फाइल्स को एक होस्ट से दूसरे में स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह मुख्य रूप से वेब पेज फाइल्स को,उनके निर्माता से कंप्यूटर पर स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो इंटरनेट पर अन्य कंप्यूटरों के लिए सर्वर के रूप में कार्य करता है। इसका उपयोग अन्य सर्वर से कंप्यूटर पर फ़ाइलों को डाउनलोड करने के लिए भी किया जाता है।
- **एन एन टी पी (NNTP)** - एन एन टी पी (NNTP) को "नेटवर्क न्यूज़ ट्रांसफर प्रोटोकॉल " कहा जाता है। एन एन टी पी (NNTP) प्रोटोकॉल यूज़नेट सर्वर से कनेक्ट करने और इंटरनेट पर सिस्टम के बीच न्यूज़ग्रुप आर्टिकल्स को स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह

ईमेल संदेशों को भेजने के लिए उपयोग किए जाने वाले एसएमटीपी प्रोटोकॉल के समान है, लेकिन विशेष रूप से समाचार समूह आर्टिकल्स के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- **पी ओ पी (POP)** - POP को पोस्ट ऑफिस प्रोटोकॉल कहते है। POP या POP मेल कई ई-मेल क्लाइंट पर ई-मेल प्राप्त करने के लिए सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले प्रोटोकॉल में से एक है। POP के दो अलग-अलग संस्करण हैं, POP2 और POP3 । POP2 POP का एक प्रारंभिक स्टैण्डर्ड था जो केवल ई-मेल प्राप्त करने में सक्षम था और ई-मेल भेजने के लिए SMTP की आवश्यकता होती थी। POP3 नवीनतम स्टैण्डर्ड है और केवल POP का उपयोग करके ई-मेल भेज और प्राप्त कर सकता है ।

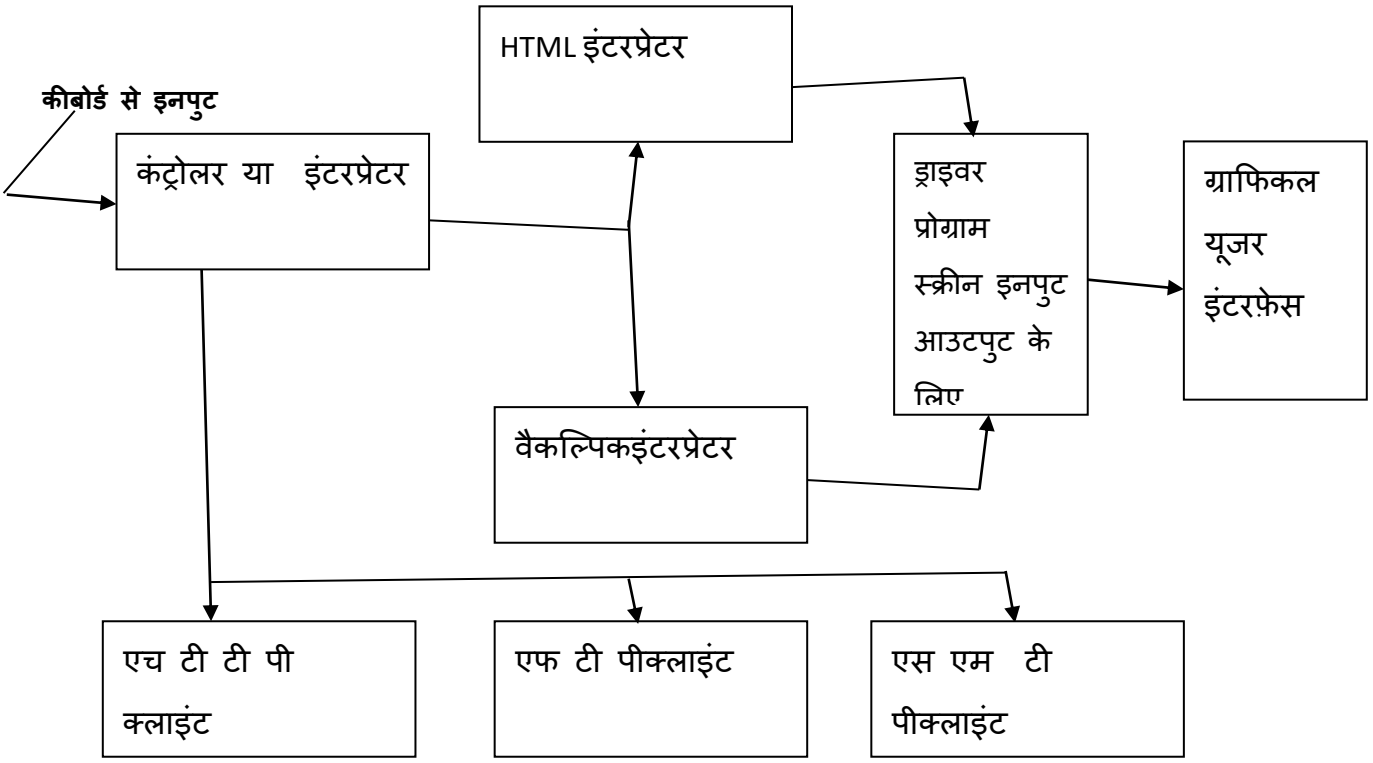

वेब ब्राउज़र का आर्किटेक्चर

2.2 ब्राउज़र के साथ कार्य करना

2.2.1 URL एवं एड्रेस बार

प्रत्येक वेबसाइट का एक यूनिक एड्रेस होता है, जिसे URL (यूनिफ़ॉर्म रिसोर्स लोकेटर का संक्षिप्त रूप) कहा जाता है। यह एक पते की तरह है जो ब्राउज़र को यह बताता है कि इंटरनेट पर कहां जाना है। जब ब्राउज़र के एड्रेस बार में URL टाइप करते हैं और कीबोर्ड पर एंटर की दबाते हैं, तो ब्राउजर उस यूआरएल से जुड़े पेज को लोड करता है । नीचे दिए गए उदाहरण में, हमने www.mcu.ac.in को एड्रेस बार में टाइप किया है।

2.2.2 लिंक

जब भी किसी वेबसाइट या शब्द को नीले या नीले रंग में रेखांकित देखते हैं, तो यह हाइपरलिंक है, या लिंक है। लिंक का उपयोग वेब पर नेविगेट करने के लिए किया जाता है। जब आप किसी लिंक पर क्लिक करते हैं, तो यह आमतौर पर आपको एक अलग वेबपेज पर ले जाता है । आप यह भी देख सकते हैं कि जब भी आप किसी लिंक पर जाते हैं, तो आपका कर्सर एक हैंड आइकन में बदल जाता है।

यदि हैंड आइकन को देखते हैं, तो इसका मतलब है कि आपको एक लिंक मिल गयी है। आपको इस प्रकार के अन्य लिंक भी मिलेंगे। उदाहरण के लिए, कई वेब साइट्स वास्तव में लिंक के रूप में इमेजेस का उपयोग करती हैं। किसी अन्य पृष्ठ पर नेविगेट करने के लिए बस इमेज को क्लिक कर सकते हैं।

2.2.3 नेविगेशन बटन

बैक और फ़ॉरवर्ड बटन उन वेब साइट्स में जाने की अनुमति देते हैं, जिन्हें आपने हाल ही में देखा है। आप अपने हाल की हिस्ट्री को देखने के लिए किसी भी बटन को होल्ड करके क्लिक कर सकते हैं।

रिफ्रेश बटन करंट पेज को पुनः लोड करता है। यदि कोई वेबसाइट काम नहीं करती है, तो भी रिफ्रेश बटन का उपयोग करके पुनः करंट पेज को देखा जा सकता है ।

2.2.4 टैब्ड ब्राउज़िंग

कई ब्राउज़र एक नए टैब में लिंक खोलने की अनुमति देते हैं। आप जितने चाहें उतने लिंक खोल सकते हैं, और वे आपकी स्क्रीन को एक से अधिक विंडो के साथ बंद करने के बजाय एक ही ब्राउज़र विंडो में रखेंगे। एक नए टैब में एक लिंक खोलने के लिए, लिंक पर राइट-क्लिक करें और नए टैब में ओपन लिंक का चयन कर सकते हैं ।

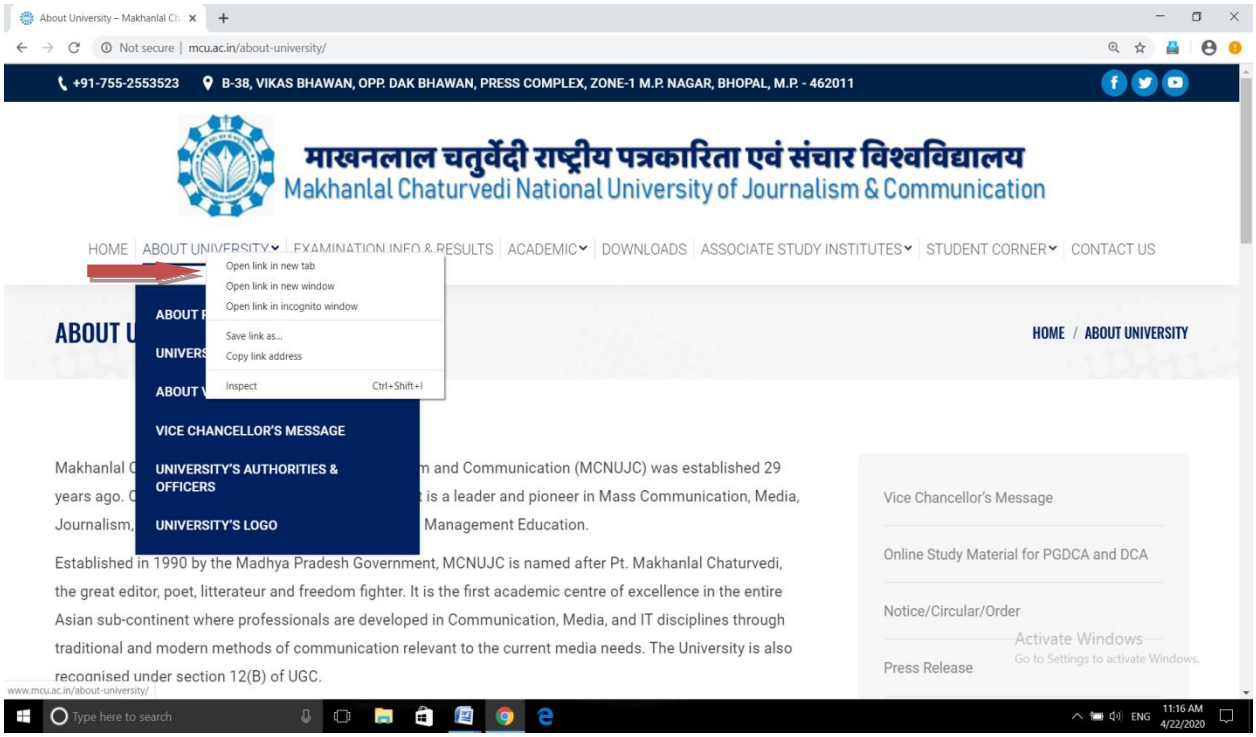

2.2.5 टैब बंद करने के लिए, X पर क्लिक करें।

2.2.6 एक नया ब्लैंक टैब बनाने के लिए, किसी भी खुले टैब के दाईं ओर बटन पर क्लिक करें।

2.2.7 बुकमार्क एवं हिस्ट्री

यदि आप एक वेबसाइट को बाद में देखना चाहते हैं, तो सटीक वेब एड्रेस को याद रखना मुश्किल हो सकता है। बुकमार्क्स, जिसे फेवरिट्स के रूप में भी जाना जाता है, विशिष्ट वेब साइट्स को सेव और व्यवस्थित करने का एक शानदार तरीका है, ताकि आप उन्हें बार-बार फिर से देख सकें। वर्तमान वेबसाइट को बुकमार्क करने के लिए बस स्टार आइकन को क्लिक करें एवं बुकमार्क का चयन करें।

आपका ब्राउज़र आपके द्वारा देखी जाने वाली प्रत्येक साइट की हिस्ट्री भी सेव करता है । यह उस साइट को खोजने का एक और अच्छा तरीका है, जिसे आपने पहले देखा था। अपनी हिस्ट्री देखने के लिए, ब्राउज़र सेटिंग खोलने पर ऊपरी-दाएं कोने में आइकन पर क्लिक करके और हिस्ट्री का चयन कर सकते है ।

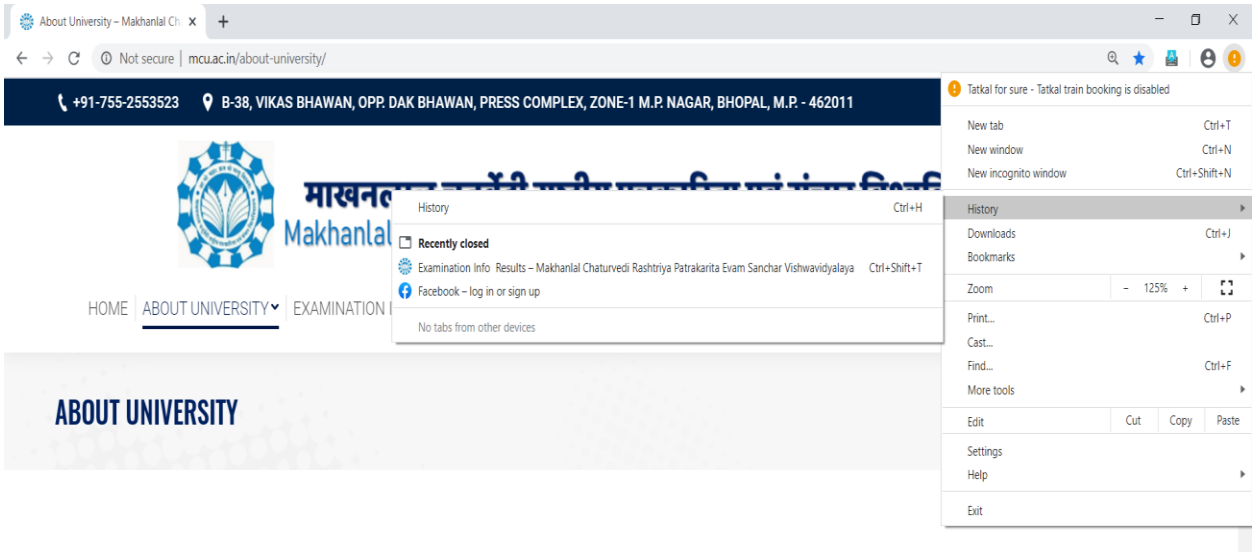

2.2.8 डाउनलोडिंग फाइल्स

लिंक हमेशा दूसरी वेबसाइट पर नहीं जाते हैं। कुछ मामलों में, वे एक फ़ाइल को इंगित करते हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, या आपके कंप्यूटर पर सेव किया जा सकता है।

यदि आप किसी फ़ाइल के लिंक पर क्लिक करते हैं, तो यह स्वचालित रूप से डाउनलोड हो सकता है, लेकिन कभी-कभी यह केवल डाउनलोड करने के बजाय आपके ब्राउज़र में खुलता है। ब्राउज़र में इसे खोलने से रोकने के लिए, आप लिंक को राइट-

क्लिक कर सकते हैं और सेव लिंक को चुन सकते हैं (जैसे अलग-अलग ब्राउजर थोड़े अलग शब्दों का उपयोग कर सकते हैं, जैसे कि टारगेट को सेव करें)।

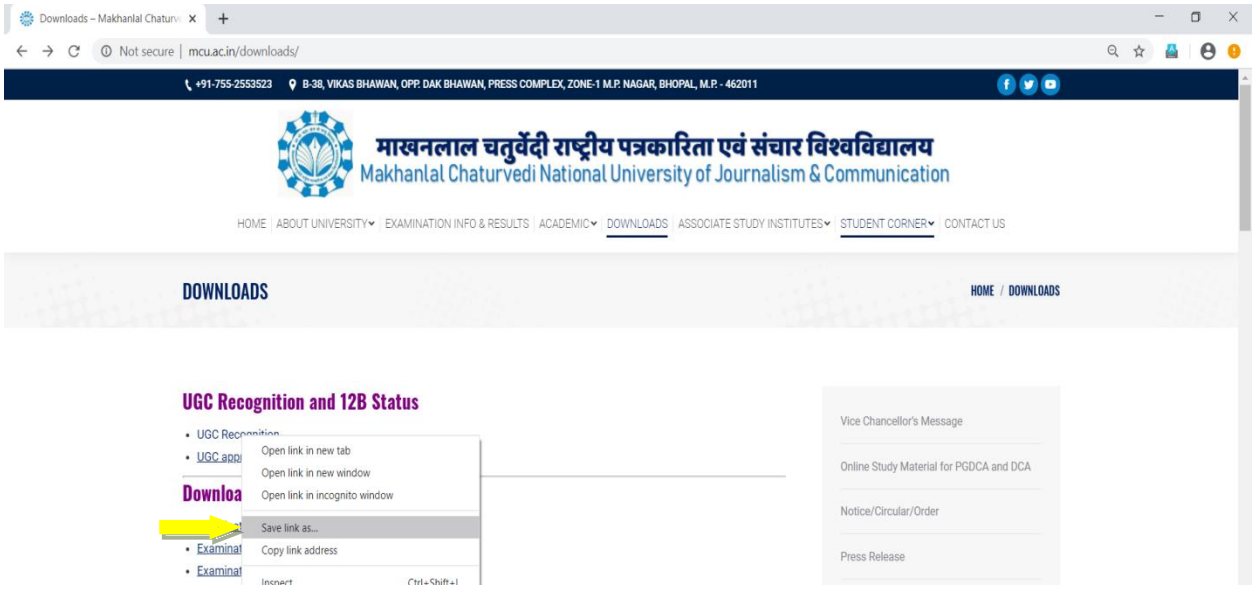

2.2.9 सेविंग इमेजेस

कभी-कभी आप किसी इमेज को किसी वेबसाइट से अपने कंप्यूटर में सेव कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए, इमेज पर राइट-क्लिक करें और सेव इमेज एस (या सेव पिक्चर्स एस) का चयन करें।

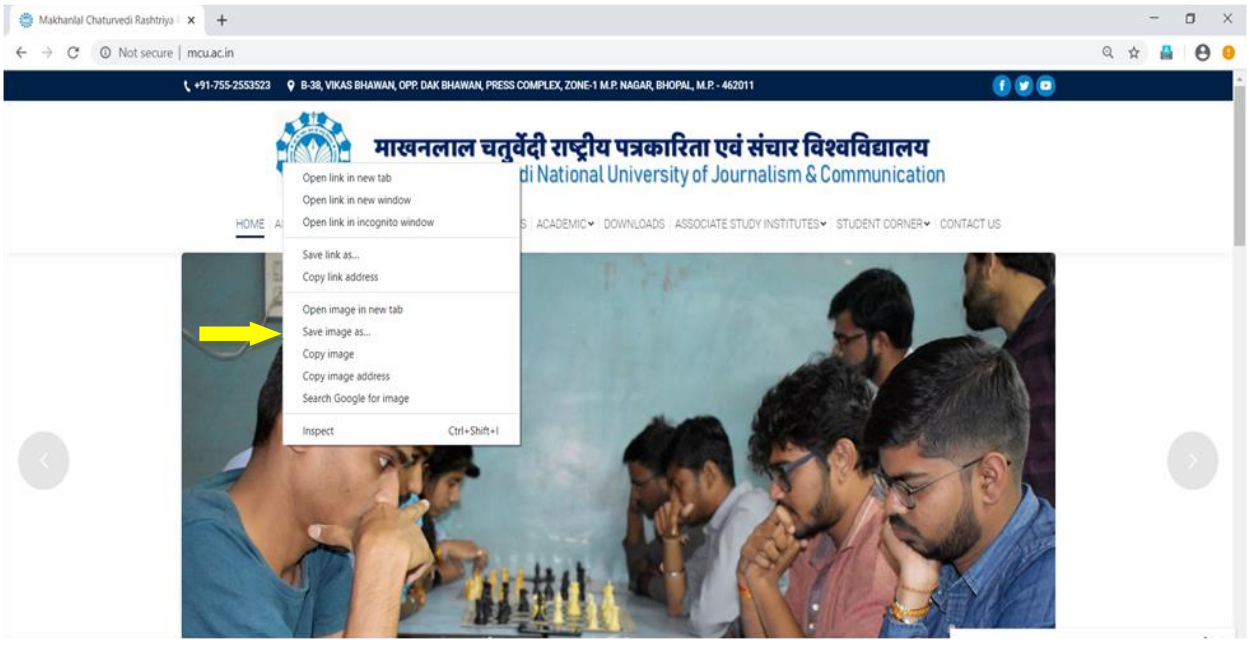

2.2.10 प्लग-इन

प्लग-इन छोटे ऍप्लिकेशन्स हैं, जो आपको अपने वेब ब्राउज़र में कुछ प्रकार की सामग्री देखने की अनुमति देते हैं। उदाहरण के लिए, एडोब फ्लैश और माइक्रोसॉफ्ट सिल्वरलाइट का उपयोग कभी-कभी वीडियो चलाने के लिए किया जाता है, जबकि एडोब रीडर का उपयोग पीडीएफ फाइलों को देखने के लिए किया जाता है।यदि आपके पास किसी वेबसाइट के लिए सही प्लग-इन नहीं है, तो आपका ब्राउज़र आमतौर पर इसे डाउनलोड करने के लिए एक लिंक प्रदान करता है । कई बार आपको प्लग-इन को अपडेट करने की आवश्यकता होती है।

3. सर्च इंजन

सर्च इंजन एक सॉफ़्टवेयर है, जो आमतौर पर इंटरनेट पर एक्सेस किया जाता है, जो उपयोगकर्ता के अनुसार चाही गई जानकारी का एक डेटाबेस उपलब्ध करने में मदद करता है । सर्च इंजन की मदद से उपयोगकर्ता जो खोजने की कोशिश कर रहे है, सर्च इंजन उन परिणामों की सूची प्रदान करता है, जिनमें सबसे अधिक समानता होती है।आज, इंटरनेट पर अपनी क्षमताओं और विशेषताओं के साथ कई अलग-अलग सर्च इंजन उपलब्ध हैं। पहले विकसित किए गए सर्च इंजन को आर्ची(Archie) माना गया है, जिसका उपयोग एफ़टीपी फ़ाइलों की खोज के लिए किया गया था और पहला टेक्स्ट - आधारित सर्च इंजन वेरोनिका (Veronica) को माना गया है। वर्तमान में, सबसे

लोकप्रिय और प्रसिद्ध सर्च इंजन Google है। अन्य लोकप्रिय सर्च इंजनों में AOL, Ask.com, Baidu, Bing, और Yahoo शामिल हैं।

3.1 सर्च इंजन कैसे काम करता है

सर्च इंजन में लाखों और कभी-कभी अरबों पेज होते हैं, कई सर्च इंजन न केवल पेज को खोजते हैं, बल्कि उनके महत्व के आधार पर परिणाम भी प्रदर्शित करते हैं। यह महत्व आमतौर पर विभिन्न एल्गोरिदम का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। सभी सर्च इंजन के डेटा का स्रोत एक स्पाइडर या क्रॉलर है, जो स्वतः बहुत से पेज पर विजिट करता है और उनकी सामग्री को अनुक्रमित (index) करता है। जैसा कि नीचे दर्शाई गई इमेज में चित्रित किया गया है -

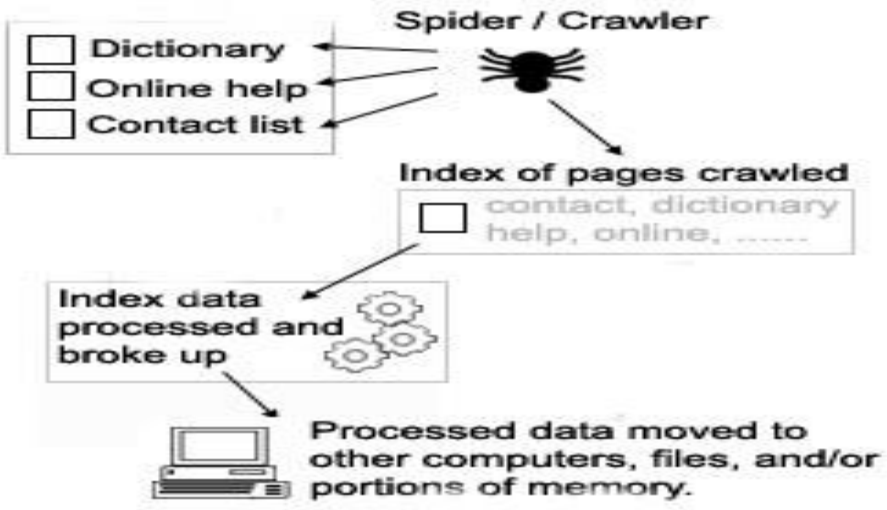

जब पेज को सर्च किया जाता है, तब पेज में मौजूद डेटा को प्रोसेस और अनुक्रमित (index) किया जाता है। पेज को सर्च करने के चरण निम्नलिखित हैं-

- स्टॉप शब्द को हटा दिया जाता है । स्टॉप शब्द ("a,""and ", "but ,""how ," or "," and "what ") को सर्चिंग के दौरान हटाना होता है ।
- शेष शब्दों को पेज में और उनके द्वारा होने वाली आवृत्ति (Frequency) को रिकॉर्ड किया जाता है।
- अन्य पेज के लिंक को रिकॉर्ड किया जाता है।

- पेज पर मौजूद किसी भी इमेज , ऑडियो और एम्बेडेड मीडिया के बारे में जानकारी को रिकॉर्ड किया जाता है।
- एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रत्येक पेज को रैंक करने के लिए किया जाता है।

ये रैंकिंग निर्धारित करती है, कि कौन से पेज को खोजे गए परिणामों में और किस क्रम में दिखाना है। अंत में, डेटा प्रोसेस होने के बाद, इसे एक या एक से अधिक फ़ाइलों में परिवर्तित किया जाता है एवं विभिन्न कंप्यूटरों में ले जाया जाता है, या मेमोरी में लोड किया जाता है, जहां सर्च किए जाने पर इसे एक्सेस किया जा सकता है।

3.2 विकिपीडिया पर जानकारी खोजना

विकिपीडिया एक शक्तिशाली सर्च इंजन का उपयोग करता है, जिसमें प्रत्येक पेज पर एक सर्च बॉक्स है। सर्च बॉक्स सटीक मिलान होने पर पर सीधे उस नाम के पेज पर नेविगेट करता है । लेकिन, आप इसे अन्य पृष्ठों को दिखाने के लिए बाध्य कर सकते हैं, जब आपके सर्च स्ट्रिंग में एक tilde "~" क्वेरी (Query) में कहीं भी शामिल किया जाता है। अधिकतम सर्च स्ट्रिंग 300 कैरेक्टर का हो सकता है। हालाँकि, सर्च तुरंत ही सभी 50,143,368 पेज को विकि पर खोज सकता है, जब सर्च के लिए एक या दो शब्द का उपयोग किया जाता है।

विकिपीडिया के सर्च को डोमेन-स्पेसिफिक बनाया जा सकता है (यानी, वांछित नेम स्पेसेस में खोज)। सर्च इंजन खोज करने की शक्ति का विस्तार करने के लिए स्पेशल कैरेक्टर और पैरामीटर का भी समर्थन करता है और उपयोगकर्ताओं को अपनी खोज को और अधिक विशिष्ट बनाने की अनुमति देता है।

विकिपीडिया सर्च इंजन की उन्नत विशेषताओं में मल्टी वर्ड प्रोक्सिमिटी सर्च शामिल है (जिसमें उपयोगकर्ता इंगित करता है कि वाक्यांश में शब्द कितने निकट हो सकते हैं), वाइल्डकार्ड सर्च , "Fuzzy ~" सर्च (टाइपिंग में त्रुटि सुधार और वर्तनी के गलत टाइप होने पर सुझाव भी देता है), और कई विकी ओरिएंटेड ऑपरेटरों जो वेइटिंग और फ़िल्टरिंग के लिए पैरामीटर प्रदान करता है । विकी सर्च रेगुलर एक्सप्रेशन्स, सटीक-

स्ट्रिंग और स्ट्रिंग-पैटर्न, सर्च टूल की सुविधा प्रदान करता है ,जो अधिकांश सार्वजनिक सर्च इंजनों द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जाता है।

3.2.1 सर्च बॉक्स

सर्च बॉक्स एक इनपुट बॉक्स है जिसमें "सर्च विकिपीडिया" शब्द है। वेक्टर स्किन में, यह स्क्रीन के ऊपरी दाएं कोने में स्थित है। मोनोबुक में, यह स्क्रीन के बाईं ओर साइडबार के बीच में है। सर्च बॉक्स का उपयोग करने के लिए, उस पर क्लिक करें, और अपनी सर्च स्ट्रिंग को टाइप करें। वेक्टर में, सर्च बटन के बजाय, सर्च बॉक्स के दाहिने हाथ के छोर पर एक मैगनीफायिंग ग्लास🔍 का एक आइकन होता है। मैगनीफायिंग ग्लास में क्लिक करने पर आपको सीधे विकिपीडिया के सर्च पेज पर पहुँच जाते है।

3.2.2 सर्च स्ट्रिंग

आप जो भी सर्च बॉक्स में लिखते हैं उसे "सर्च स्ट्रिंग" कहा जाता है। इसे "सर्च क्वेरी" के रूप में भी जाना जा सकता है। एक बेसिक सर्च स्ट्रिंग बस वह विषय है, जिसके बारे में पढ़ने में आपकी रुचि है। एक बेसिक सर्च स्ट्रिंग आपके द्वारा टाइप की गई स्ट्रिंग का मिलान करने के बाद सीधे आपको विकिपीडिया के लेख पर ले जाते है, जिसमें वह शीर्षक है। यदि आपके द्वारा टाइप की गई स्ट्रिंग का मिलान नहीं होता है, तब यह उसमे निहित शब्दों का मिलान करके खोजे गए परिणाम के पेज पर ले जाएगा, जहाँ आपकी खोज के परिणाम प्रदर्शित होते हैं।

4. ऑनलाइन न्यूज़ पेपर

प्रिंट अखबार का डिजिटल संस्करण जो वर्ल्ड वाइड वेब पर इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज़ के रूप में अपलोड किया जाता है, जिससे पाठक इंटरनेट के माध्यम से कहीं से भी पढ़ सके। इंटरनेट के माध्यम से अख़बार पढ़ने की इस व्यवस्था को हम ऑनलाइन न्यूज़ पेपर कहते है। समाचार पत्र पूरे संसार भर की खबरों का संग्रह होता है, जो हमें विश्व में होने वाली सभी घटनाओं के बारे में जानकारी देता है और ऑनलाइन समाचार पत्र में सभी प्रकार की वर्तमान घटनाओं का समावेश होता है, जिससे त्वरित समाचार पाठको को रूचि के अनुसार ऑनलाइन प्राप्त होते है ।

4.1 ऑनलाइन अख़बार पढ़ने की प्रक्रिया

- समाचार पत्रों को मुफ्त में पढ़ने के लिए, समाचार पत्रों की वेब साइट्स और समाचार पत्रों के ऑनलाइन दस्तावेज़ों की खोज करें।
- किसी स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्र की खोज करने के लिए, समाचार पत्र का नाम सर्च इंजन में लिखें और सर्च पर क्लिक करें। प्राप्त सूची से अखबार की वेबसाइट का चयन करें।
- मुद्रित अख़बार की तरह ही ऑनलाइन अख़बार में विभिन्न विषय के सेक्शन होते है। अपनी रूचि के अनुसार के सेक्शन को क्लिक करके वांछित विषय के समाचार को प्राप्त किया जा सकता है।
- कुछ वेब साइट्स मैगनीफायिंग ग्लास आइकन की सुविधा देते है, जो पाठकों को विशिष्ट लेख को खोजने में सहायता करते है। कुछ वेब साइट्स में सेक्शन मेनू के पास एक सर्च बॉक्स होता है, जिसमें हम टेक्स्ट के रूप में कीवर्ड टाइप करके वांछित लेख या रिपोर्ट प्राप्त कर सकते है ।

4.2 ऑनलाइन अख़बार सब्सक्राइब करना

कुछ वेब साइट्स समाचार पत्रों का संग्रह करती है और इन वेब साइट्स की सदस्यता प्राप्त करना आवश्यक होता है ,जिससे हम उनकी द्वारा दी जाने वाली सर्विस ले सकते है, लेकिन कुछ वेब साइट्स नि: शुल्क सेवा प्रदान करते हैं एवं कुछ वेब साइट्स निश्चित अवधि तक नि: शुल्क सेवा प्रदान करते है एवं उसके बाद शुल्क देकर सदस्यता प्राप्त करनी होती है। भारत में प्रमुख समाचार पत्र जैसे टाइम्स ऑफ़ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स आदि अपना ऑनलाइन संस्करण प्रकाशित करते हैं एवं सीमित अवधि तक निशुल्क सदस्यता की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

कुछ वेब साइट्स उपलब्ध है , जिनमें खोजने योग्य समाचार पत्र अभिलेखागार शामिल हैं –

- Ancestry.com
- GenealogyBank
- MyHeritage.com
- Newspapers.com
- Newspaper Archive

एक खाता बनाने के लिए, नि: शुल्क ट्रायल बटन ढूंढें और क्लिक करें। उदाहरण के लिए , The Hindu पंद्रह दिवसीय नि: शुल्क ट्रायल प्रदान करता है।

- ऑनलाइन अख़बार की निशुल्क ट्रायल प्राप्त करने के लिए रजिस्टर पर क्लिक करे।
- नाम, ईमेल एड्रेस , पासवर्ड , सिटी , राज्य, मोबाइल नंबर एंटर करके रजिस्टर करें।
- पासवर्ड फ़ील्ड में पासवर्ड चुनें और दर्ज करें।
- वैकल्पिक रूप से जीमेल ,फेसबुक की मदद से साइन इन पर क्लिक करें।

5. गूगल इनपुट टूल्स

गूगल इनपुट उपकरण आपकी इच्छित भाषा में अधिक आसानी से टाइप करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। वर्तमान में गूगल कई प्रकार के टेक्स्ट इनपुट टूल प्रदान करते हैं। अंग्रेजी सार्वभौमिक(Universal) भाषा है, यही कारण है कि प्रत्येक डिवाइस, कीबोर्ड और मशीन में मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा पर काम करने के लिए बनाई जाती है । गूगल इनपुट टूल्स की मदद से आपके विंडोज कंप्यूटर पर अंग्रेजी कीबोर्ड का उपयोग करके बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी आदि क्षेत्रीय भाषा में टाइप कर सकते है। गूगल अपने बहुत सारे टूल्स जैसे गूगल ट्रान्सलिट्रेशन,इनपुट मेथड एडिटर (IME) और वर्चुअल कीबोर्ड की मदद से आपको विशिष्ट भाषा के कीबोर्ड के जनकारी के बिना भी उसी भाषा में टाइप करने की सुविधा प्रदान करता है -

- IME (इनपुट मेथड एडिटर्स) एक कन्वर्शन इंजन का उपयोग करके आपके कीस्ट्रोक्स को किसी अन्य भाषा में मैप करता है।
- टेक्स्ट के साउंड/ फोनेटिक्स को ट्रान्सलिट्रेशन एक भाषा से दूसरे में परिवर्तित करता है, जो ध्वनियों से सर्वोत्तम रूप से मेल खाता है। उदाहरण के लिए, ट्रान्सलिट्रेशन हिंदी में "namaste" को "नमस्ते" में रूपांतरित करता है।
- वर्चुअल कीबोर्ड आपकी स्क्रीन पर एक कीबोर्ड प्रदर्शित करता है जो आपके वास्तविक कीबोर्ड पर कीज़ (Keys) को मैप करता है। आप ऑन-स्क्रीन कीबोर्ड लेआउट के आधार पर किसी अन्य भाषा में सीधे टाइप कर सकते हैं।

5.1 गूगल इनपुट टूल्स का उपयोग कैसे करें–

गूगल इनपुट टूल क्रोम एक्सटेंशन यूजर को क्रोम में किसी भी वेब पेज में इनपुट टूल का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करते हुए इनपुट टूल क्रोम एक्सटेंशन का उपयोग किया जा सकता है –

- गूगल इनपुट टूल इंस्टॉल करें।
- एक्सटेंशन आइकन पर क्लिक करें और "एक्सटेंशन विकल्प" को चुनें।

- "एक्सटेंशन विकल्प" पेज में, बाएं ओर स्थित इनपुट टूल (भाषा) का चयन करें, जिसे आप दाएं ओर चाहते हैं।
- इनपुट टूल जोड़ने के लिए बाईं ओर डबल क्लिक करें। चयन हटाने के लिए दाईं ओर डबल क्लिक करें।
- यदि आप टूल को सॉर्ट करना चाहते हैं तो दाईं ओर एक इनपुट टूल पर क्लिक करके अप और डाउन एरो आइकन पर क्लिक करें|
- इनपुट टूल का उपयोग करने के लिए, एक्सटेंशन आइकन पर क्लिक करें। दिखाई देने वाले ड्रॉपडाउन मेनू में-, इच्छित इनपुट टूल का चयन करें। इनपुट टूल चालू होने पर, एक्सटेंशन बटन एक पूर्ण रंगीन आइकन बन जाता है, जैसे कि जब कोई इनपुट टूल बंद होता है, तो बटन ग्रे हो जाता है। “क्लोज” पर क्लिक करने से इनपुट टूल टॉगल हो जाता है । आप ऑन /ऑफ टॉगल करने के लिए चयनित इनपुट टूल पर भी क्लिक कर सकते हैं।

6. गूगल मैप के साथ कार्य करना

गूगल मैप आजकल सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली सेवाओं में से एक है। यह एक अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी टूल है जो त्वरित सेवा प्रदान करता है और इस एप्प को उपयोग करना भी आसान है। ड्राइवरों, बाइकर्स, वॉकर और सार्वजनिक परिवहन के उपयोगकर्ताओं को दिशा प्रदान करने के लिए, किन्हीं दो स्थानों के बीच की दूरी को मापने से शुरू होकर यह उपयोगकर्ताओं को विभिन्न तरीकों से मदद करता है।

गूगल मैप ने जीवन को बहुत आसान बना दिया है और अब इसके बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। गूगलमैप का उपयोग शुरू करने से पहले, आपको निम्नलिखित कार्य करने होंगे:

- जी पी एस (GPS) चालू करें ।
- गूगल मैप को आपके वर्तमान स्थान और ऑडियो स्पीकर को एक्सेस करने की अनुमति प्रदान करें।

गूगल मैप का उपयोग शुरू करने के लिए मार्गदर्शिका निम्नानुसार है–

1. सबसे पहले आपको गूगल मैप्स एप्प को ओपन करना होगा।

2. किसी स्थान की खोज करें या इसे गूगल मैप पर टैप करें।

3. नीचे दाईं ओर, डायरेक्शन टैप करें। (आप डेस्टिनेशन को भी जोड़ सकते हैं)

4. गंतव्य को जोड़ने के लिए आपको ऊपर दाईं ओर जाना होगा और टैप करना होगा और फिर एक स्टॉप जोड़ना होगा।

5. निम्न में से कोई एक का चुनाव करें -

   ड्राइविंग।
   परिवहन ।
   चलना।
   सवारी सेवाएँ।
   सायक्लिंग।

6. यदि अन्य मार्ग उपलब्ध हैं, तो उन्हें मैप पर ग्रे (gray) में दिखाएगा । वैकल्पिक मार्ग का अनुसरण करने के लिए, ग्रेलाइन पर टैप करें।

7. नेविगेशन शुरू करने के लिए, स्टार्ट पर टैप करें।

8. नेविगेशन को रोकने या रद्द करने के लिए, नीचे बाईं ओर जाएं और क्लोज पर टैपकरें।

   आप वॉइस डायरेक्शन की सुविधा को एक्सेस कर सकते है, ताकि जब आप किसी स्थान पर नेविगेट करें, तो आप ध्वनि निर्देश सुन सकें।

7. गूगल एप्प्स के साथ कार्य करना

वेब ऐप्स के रूप में वास्तव में कई गूगल सेवाएं हैं, जो आपके काम और यहां तक कि आपके स्कूली शिक्षा और विश्वविद्यालय के अध्ययन के लिए उपयोग की जा सकती हैं। काम के लिए कई गूगल एप्प आपके जीवन को अधिक कुशल बनाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करते हैं और इसे आपके मोबाइल डिवाइस और कंप्यूटर दोनों से जोड़ा जा सकता है। चाहे आप नोट्स या वीडियो कॉल के लिए इन उच्च-

गुणवत्ता वाले ऍप्लिकेशन्स का उपयोग करना चाहते हैं, मुख्य बिंदु यह है कि गूगल एप्प्स के उपयोग से आपका जीवन सरल, अधिक संगठित और कुशल हो जाता है।

गूगल एप्प्स का वर्णन निम्नानुसार है -

7.1 गूगल वेब सर्च (Google Web Search)

गूगल सर्च, जिसे गूगल वेब सर्च भी कहा जाता है, गूगल द्वारा विकसित एक वेब सर्च इंजन है। यह सभी प्लेटफार्मों पर वर्ल्ड वाइड वेब पर सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला सर्च इंजन है। प्रत्येक दिन 5.4 बिलियन से अधिक सर्च के साथ गूगल सर्च इंजन जून 2019 तक 92.62% बाजार में हिस्सेदारी के साथ सबसे लोकप्रिय सर्च इंजन है।

गूगल द्वारा खोजे गए परिणामों का क्रम "पेज रैंक" नामक प्राथमिकता (priority) रैंक प्रणाली पर आधारित है। गूगल सर्च कस्टमाइज्ड सर्च के लिए कई अलग-अलग विकल्प भी प्रदान करता है,गूगल सर्च करने के लिए सिंबल का उपयोग करता है,जिससे सर्च में कुछ शामिल कर सके , कुछ छोड़ सके ,कुछ निर्दिष्ट कर सके और विशेष इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करता है, जैसे फ्लाइट की स्थिति और पैकेज ट्रैकिंग, मौसम पूर्वानुमान, मुद्रा, इकाई और समय रूपांतरण, शब्द परिभाषाएँ, और बहुत कुछ।

7.2 यूट्यूब(You Tube)

यूट्यूब एक अमेरिकी ऑनलाइन वीडियो-शेयरिंग प्लेटफार्म है, जिसका मुख्यालय सैन ब्रूनो, कैलिफ़ोर्निया में है। तीन पूर्व पे-पल कर्मचारियों- चाड हर्ले, स्टीव चेन और जावेद करीम ने फरवरी 2005 में इस सेवा का निर्माण किया था ।

गूगल ने नवंबर 2006 में 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर में साइट खरीदी थी । यूट्यूब अब गूगल की सहायक कंपनियों में से एक के रूप में कार्य कर रहा है।यूट्यूब उपयोगकर्ताओं को वीडियो अपलोड करने, देखने, साझा करने, प्लेलिस्ट में जोड़ने, रिपोर्ट करने, वीडियो पर टिप्पणी करने और अन्य उपयोगकर्ताओं की सदस्यता लेने की अनुमति देता है। यह विभिन्न प्रकार के उपयोगकर्ता-जनित और कॉर्पोरेट मीडिया वीडियो प्रदान करता है। उपलब्ध सामग्री में वीडियो क्लिप, टीवी शो क्लिप, संगीत वीडियो, लघु और वृत्तचित्र फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, मूवी ट्रेलर, लाइव स्ट्रीम और अन्य सामग्री जैसे वीडियो ब्लॉगिंग, लघु मूल वीडियो और शैक्षिक वीडियो शामिल हैं।

7.3 जीमेल (Gmail)

सभी गूगल ऐप्स में सबसे उपयोगी जीमेल है। जब कोई गूगल एकाउंट बनाता है, तो वे मौजूदा ईमेल का उपयोग कर सकते हैं या एक नया बना सकते हैं, जिसके अंत में @ gmail.com होगा। इससे उपयोगकर्ता अपने इनबॉक्स, सेंट फ़ोल्डर, स्पैम फ़ोल्डर और थ्रैश फ़ोल्डर का उपयोग कर सकता है। एक और उपयोगी सुविधा जो कई विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कार्यस्थलों द्वारा उपयोग की जाती है, वे हैं कॉन्टेक्ट्स जिन्हें गूगल की ईमेल सेवाओं के लिए उपयोग किया जाता है । इन संस्थाओ में सभी एकाउंट के साथ कॉन्टैक्ट डेटाबेस जुड़ा होता है, जिसका अर्थ है कि आप आसानी से किसी का पहला या अंतिम नाम खोज सकते हैं और उनके ईमेल एड्रेस का भी पता चल सकता है। जीमेल एक ऑनलाइन सेवा है, इसलिए हार्ड ड्राइव पर स्टोरेज नहीं किया जाता है, क्योंकि इमेज , डाक्यूमेंट्स और अन्य अटैचमेंट क्लाउड में सेव हो जाते हैं। आप जीमेल के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति से सीधे चैट भी कर सकते हैं ,अगर आप दोनों जीमेल एकाउंट का उपयोग कर रहे हैं। जीमेल चैट साथी छात्र या सहकर्मी से संपर्क करने का एक त्वरित और आसान तरीका हो सकता है।

7.4 गूगल ड्राइव (Google Drive)

गूगल ड्राइव गूगल का अन्य ऐप है, जिसे गूगल एकाउंट से साइन अप करके आप उपयोग कर सकते है। यह आपको क्लाउड में फाइल्स को अपलोड, डाउनलोड और स्टोर करने की सुविधा देता है। आप अपने द्वारा बनाए गए फ़ोल्डरों में फ़ाइलों को ड्रैग एवं ड्रॉप कर सकते हैं, और आप अपनी फ़ाइलों को उनके गूगल ईमेल पते का उपयोग करके लोगों के साथ साझा कर सकते हैं। गूगल ड्राइव विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट्स के लिए आवश्यक है, जहां कई फाइलें और तस्वीरें शामिल होती हैं, क्योंकि छात्र अपना सारा काम अपने द्वारा बनाए गए फ़ोल्डर में रख सकते हैं, और फिर उस फ़ोल्डर में पहुंचने वाले सभी लोग फ़ाइलों को एडिट कर सकते हैं। यह फाइलों को ईमेल करने या फेसबुक जैसी सीधी मैसेजिंग प्रणाली पर भेजने का एक बहुत तेज विकल्प है। साथ ही, जीमेल की तरह, सभी फ़ाइलें और फ़ोल्डर्स क्लाउड में संग्रहीत किए जाते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको विश्वविद्यालय या काम पर प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी मात्रा में स्टोरेज करने की आवश्यकता नहीं होती है । गूगल

ड्राइव कई लोगों के साथ फ़ाइलों और फ़ोल्डरों को साझा करने की क्षमता के कारण सहज सहयोग की अनुमति देता है।

7.5 गूगल डॉक्स (Google Docs)

गूगल डॉक्स उपयोगकर्ताओं को टेक्स्ट डाक्यूमेंट्स बनाने और एडिट करने और उन्हें विभिन्न फ़ाइलों के रूप में निर्यात करने की अनुमति देता है। आप गूगल डिस्क पर पहले से मौजूद वर्ड डॉक्यूमेंट अपलोड कर सकते हैं, फिर उस फ़ाइल या उस फ़ोल्डर तक पहुँच साझा कर सकते हैं और कई उपयोगकर्ता एक ही बार में डॉक् पर काम कर सकते हैं। आप देख सकते हैं कि अन्य उपयोगकर्ता रियल टाइम में क्या और कहाँ एडिट कर रहे हैं और डाक्यूमेंट्स के दाईं ओर उनके साथ चैट भी कर सकते हैं। माइक्रोसॉफ्ट वर्ड डाक्यूमेंट्स की तरह, आप पेज के फ़ॉन्ट और फॉर्मेटिंग को बदल सकते हैं, साथ ही इमेज फ़ाइलों को इन्सर्ट भी सकते हैं। एक बार जब आप अपने गूगल डॉक्स पर काम करना समाप्त कर लेते हैं, तो आप इसे अपनी ड्राइव पर सेव कर सकते है या माइक्रोसॉफ्ट वर्ड फाइल में डाउनलोड और एक्सपोर्ट कर सकते है। आप गूगल डॉक्स को ओपन डॉक्यूमेंट फ़ाइल,रिच टेक्स्ट फॉर्मेट फ़ाइल, पीडीएफ , टेक्स्ट फाइल या एक वेब पेज फ़ाइल के रूप में डाउनलोड कर सकते हैं।

7.6 गूगल शीट (Google Sheets)

गूगल शीट्स स्प्रेडशीट बनाने, एडिट करने और साझा करने के लिए गूगल का ऐप है। आप एक पूरी तरह से नई स्प्रेडशीट बना सकते हैं, या किसी मौजूदा माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल फ़ाइल को अपलोड कर सकते हैं। शीट्स में आपके या आपकी टीम के लिए आवश्यक सभी टूल्स हैं जो स्प्रैडशीट्स को प्रभावी ढंग से बनाने में मदद करता हैं। आप एक्सेल की तरह ही रौस , कॉलम्स और सैल्स को जोड़ सकते हैं, और कई स्प्रेडशीट के साथ एक साथ काम कर सकते हैं। डॉक्स की तरह, एक चैट सुविधा भी उपलब्ध है ताकि आप और आपकी टीम, चाहे वह विश्वविद्यालय में हो या ऑफिस पर, अपने डाक्यूमेंट्स को एडिट करने से पहले समस्याओं पर चर्चा कर सकते है और उन समस्याओ को हल कर सकते है। एक बार जब आप शीट पर काम करना समाप्त कर लेते हैं, तो आप फ़ाइल को अपने गूगल ड्राइव पर सेव कर सकते हैं, या एक्सपोर्ट कर सकते हैं और इसे पी डी एफ ,

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल फ़ाइल, ओपन डॉक्यूमेंट फ़ाइल, .zip फ़ाइल के रूप में डाउनलोड कर सकते हैं।

7.7 गूगल स्लाइड (Google slide)

गूगल स्लाइड उपयोगकर्ताओं की प्रस्तुतियों को अपलोड करने, बनाने, एडिट करने और साझा करने की अनुमति देता है। स्लाइड्स के अपने थीम्स निर्धारित होते हैं जो आसानी से उपलब्ध होते हैं, और माइक्रोसॉफ्ट पॉवरपॉइंट की तरह, आप अपनी प्रस्तुति में इमेज , टेक्स्ट , स्पीकर नोट और चार्ट और डायग्राम जोड़ सकते हैं। स्लाइड्स में डॉक्स और शीट्स की तरह अंतर्निहित चैट सुविधा भी होती है, जो टीम के सदस्यों को अपनी अगली स्लाइड पर वे क्या चाहते हैं, यह तय करने से पहले इंटरनेट पर विचारों और अवधारणाओं को साझा करने की अनुमति देते हैं। स्लाइड फ़ाइलों तक पहुंच किसी के जीमेल एकाउंट के माध्यम से दी जा सकती है, और उन्हें डॉक्स और शीट्स की तरह ही गूगल ड्राइव में सेव किया जा सकता है। अंत में, एक बार जब आपकी प्रस्तुति पूर्ण हो जाती हैं, तो आप इसे माइक्रोसॉफ्ट पॉवरपॉइंट फ़ाइल, टेक्स्ट, पीडीएफ, जेपीईजी, पीएनजी या एक स्केलेबल वेक्टर ग्राफिक्स फ़ाइल के रूप में निर्यात और डाउनलोड कर सकते हैं।

गूगल के पास विभिन्न प्रकार के ऐप्स और टूल हैं, जिनका उपयोग आप किसी कार्य को पूरा करने के लिए कर सकते हैं, चाहे वह समूहों में हो या स्वयं का कार्य हो । जिनके पास गूगल एकाउंट है वो गूगल निशुल्क ऐप्स की सुविधा प्राप्त कर सकते है और इनमें जीमेल , गूगल ड्राइव, डॉक्स, शीट, स्लाइड आदि शामिल हैं।

8. ऑनलाइन टिकट बुकिंग

ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली एक सॉफ्टवेयर है जिसे आप आरक्षण प्रबंधन के लिए उपयोग कर सकते हैं।यह सॉफ्टवेयर ऑनलाइन बुकिंग के लिए टूर और एक्टिविटी ऑपरेटर्स को सुविधा देते हैं। ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफार्मों के लिए सबसे बड़ा लाभ यह है कि वे हमेशा व्यापार के लिए खुले रहते हैं। आप बुकिंग 24/7 स्वीकार कर सकते हैं ताकि आपके ग्राहकों को आरक्षण करने के लिए अगले दिन तक इंतजार न करना पड़े। भारतीय रेलवे 24/7 ऑनलाइन आरक्षण की पेशकश नहीं करता है, लेकिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक आप आरक्षण कर सकते है क्योंकि आरक्षण अधिकृत एजेंटों, बुकिंग कार्यालय जैसे विभिन्न कियोस्क से ऑनलाइन के माध्यम से किया जाता है और कोई

व्यक्तिगत आईडी के माध्यम से भी साइन इन करके निजी कंप्यूटर से आरक्षण कर सकता है। लेकिन एयरलाइंस 24/7 बुकिंग स्वीकार करती है। ऑनलाइन आरक्षण करने के लिए किसी को एयरलाइंस या रेलवे द्वारा प्रदान किए गए आरक्षण सॉफ्टवेयर में खुद को पंजीकृत करना पड़ता है। पंजीकरण के बाद आप ऑनलाइन आरक्षण कर सकते हैं। एयरलाइन्स के लिए आप makemytrip .com ,goibibo .com या एयरलाइन्स कंपनी की अधिकृत वेब साइट पर जा कर किया जा सकता है एवं भारतीय रेल क़े लिए अधिकृत वेबसाइट www.irctc.co.in के माध्यम से ऑनलाइन आरक्षण किया जा सकता है। वर्त्तमान में आपको सभी एयरलाइन्स और रेल के लिए एंड्राइड फ़ोन पर प्ले स्टोर के माध्यम से एप्प डाउनलोड करके आरक्षण करने की सुविधा मिलती है, जिससे आप कहीं भी आरक्षण कर सकते बस आपको उस विशेष समय और स्थान पर इंटरनेट कनेक्टिविटी की आवश्यकता होगी और कुछ ही समय में आप अपना काम बड़ी आसानी से कर सकते है। भारत में, अधिकांश लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए रेल पर निर्भर हैं। लगभग 1 करोड़ से ज्यादा लोग रोज रेल से यात्रा करते हैं। सबसे ज्यादा ऑनलाइन टिकट बुकिंग रेल की होती है इसीलिए रेल रिजर्वेशन का उदहारण उचित होगा।आप आईआरटीसीसी वेबसाइट या एप्प के माध्यम से रेलवे टिकट ऑनलाइन बुक कर सकते हैं, इसके लिए आपको इंटरनेट कनेक्शन और irctc एप्प या वेबसाइट पर irctc सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होगी।

आप अपने वेब ब्राउज़र में जाकर एड्रेस बार में www.irctc.co.in यूआरएल एंटर करें। अगर आप एंड्राइड फ़ोन से रिजर्वेशन कर रहे है, तो प्ले स्टोर पर जाकर IRCTC connect एप्प डाउनलोड करे।

वेब ब्राउज़र पर यूआरएल एंटर करते ही आपको irctc का इंटरफ़ेस दिखेगा। आरक्षण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्क्रीन पर सबसे ऊपर लॉगिन पर क्लिक करके यूजर नेम और पासवर्ड एंटर करे और अगर अकाउंट नहीं बना है तो स्क्रीन पर सबसे ऊपर लॉगिन के बगल में रजिस्टर पर क्लिक करके अपना अकाउंट बनाये और और फिर यूजर नेम और पासवर्ड एंटर कर लॉगिन करे। इसी तरह आप एंड्राइड फ़ोन पर IRCTC connect एप्प के माध्यम से लॉगिन कर सकते है या नया एकाउंट बनाने के लिए रजिस्टर कर सकते है।

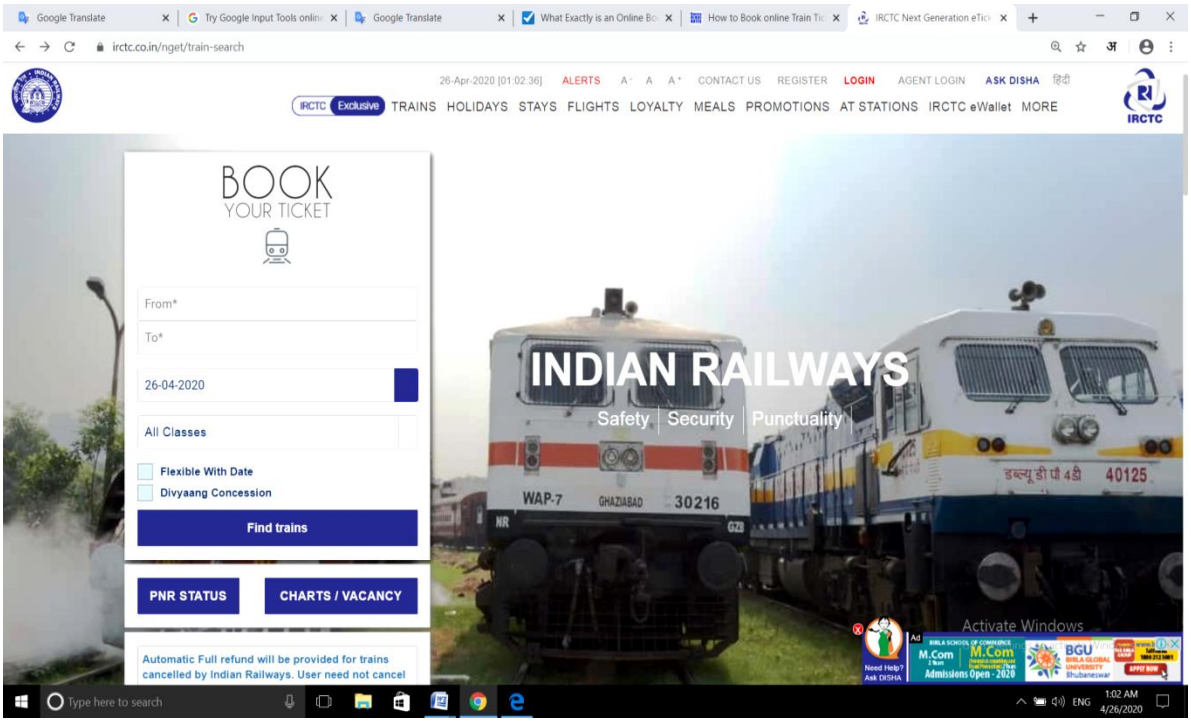

लॉगिन करने के बाद आपको **"Book your Ticket"**का विकल्प दिखेगा। वहाँ पर आपको **"From"**में स्रोत स्टेशन का नाम एंटर करना है एवं **"To"**में गंतव्य स्टेशन का नाम एंटर करना है ,उसके बाद **"यात्रा की दिनांक"** एवं **"श्रेणी"** एंटर करके **"Find Train "**पर क्लिक करना है ।

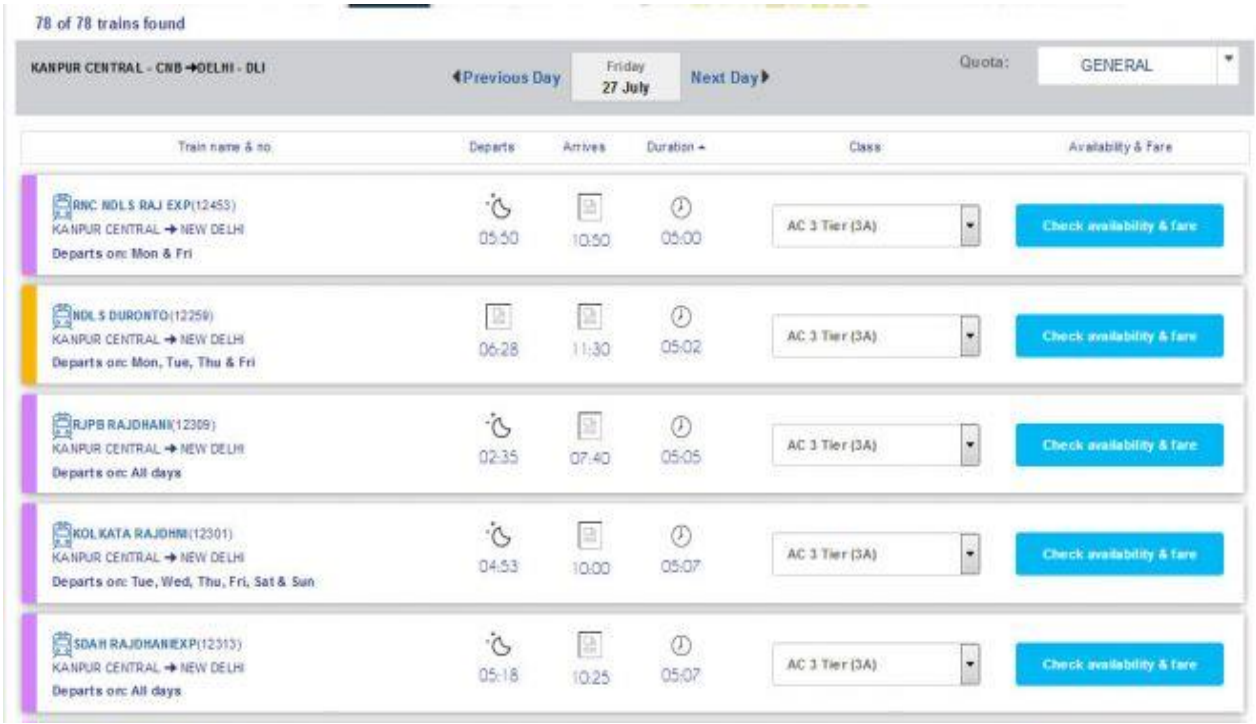

"Book your Ticket" विकल्प पर यात्रा की मांगी गयी संपूर्ण जानकारी एंटर करने पर आपको ऊपर दिया गया इंटरफ़ेस दिखेगा जिसमे आपको कोनसी ट्रैन में यात्रा करना है एवं सीट की उपलब्धता के लिए "check availability and fare "बटन पर क्लिक करना है।

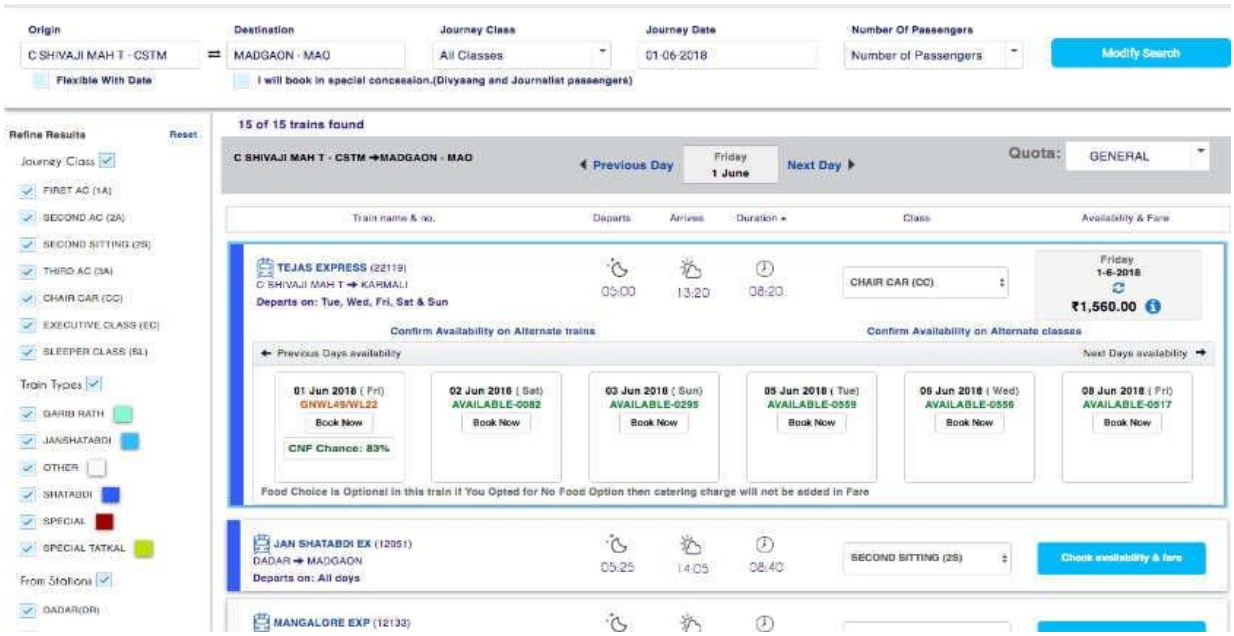

"check availability and fare "बटन पर क्लिक करने पर आपको एंटर की गयी दिनाँक से आगे की 6 दिनों तक की सीट की उपलब्धता दिखेगी। आप जिस दिनांक में यात्रा करने चाहते है ,वहाँ पर "Book now " की बटन पर क्लिक करे।

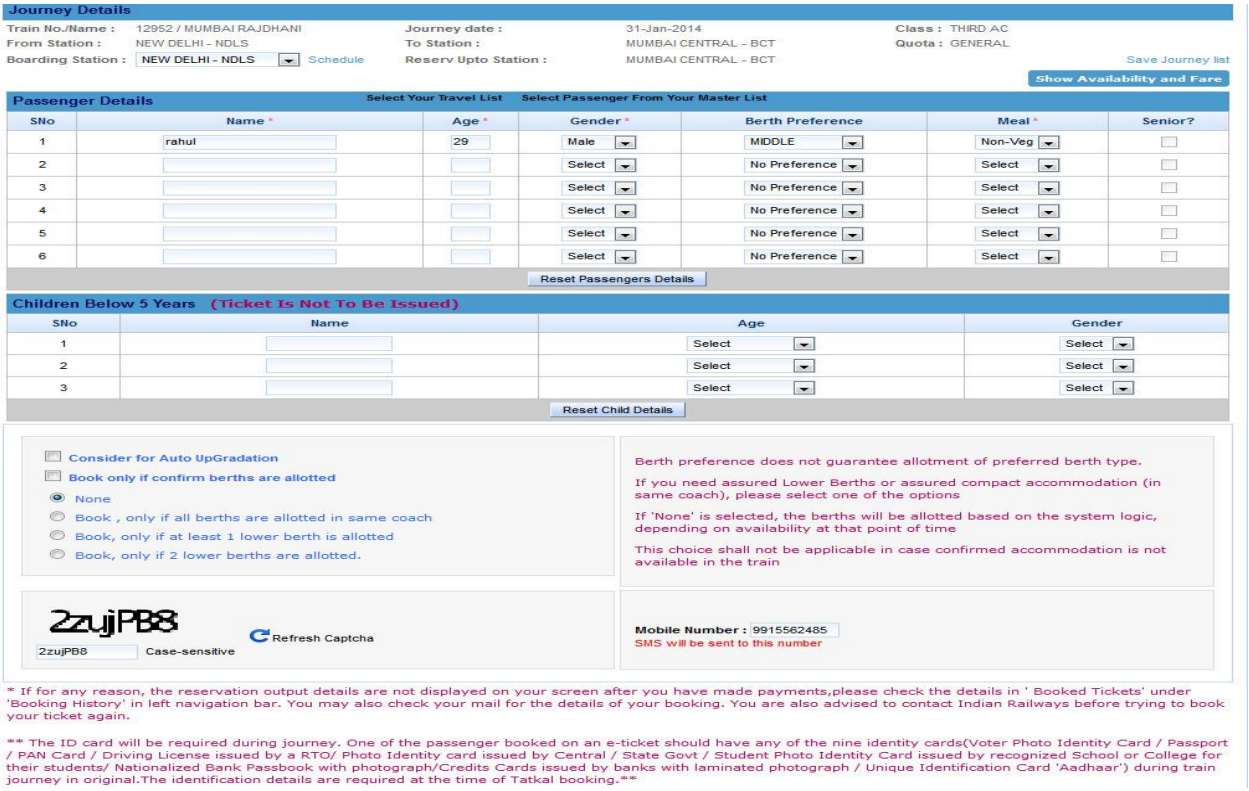

"Book now" की बटन पर क्लिक करने पर आपको ऊपर दर्शाया गया फॉर्म दिखेगा ,वहाँ यात्री का नाम और उम्र एंटर करके **"Gender"** एवं **"Berth Preference"** सेलेक्ट करे । उसके बाद **"Captcha"** एवं मोबाइल नंबर एंटर करके **“Next”** पर क्लिक करे।

आपके द्वारा दर्ज की गई सभी जानकारियों की समीक्षा करें, सभी जानकारी सही है या नहीं। यदि नहीं तो वापस जाकर सही जानकारी भरे और अगर सब ठीक है तो तुरंत "continue booking" पर क्लिक करें।

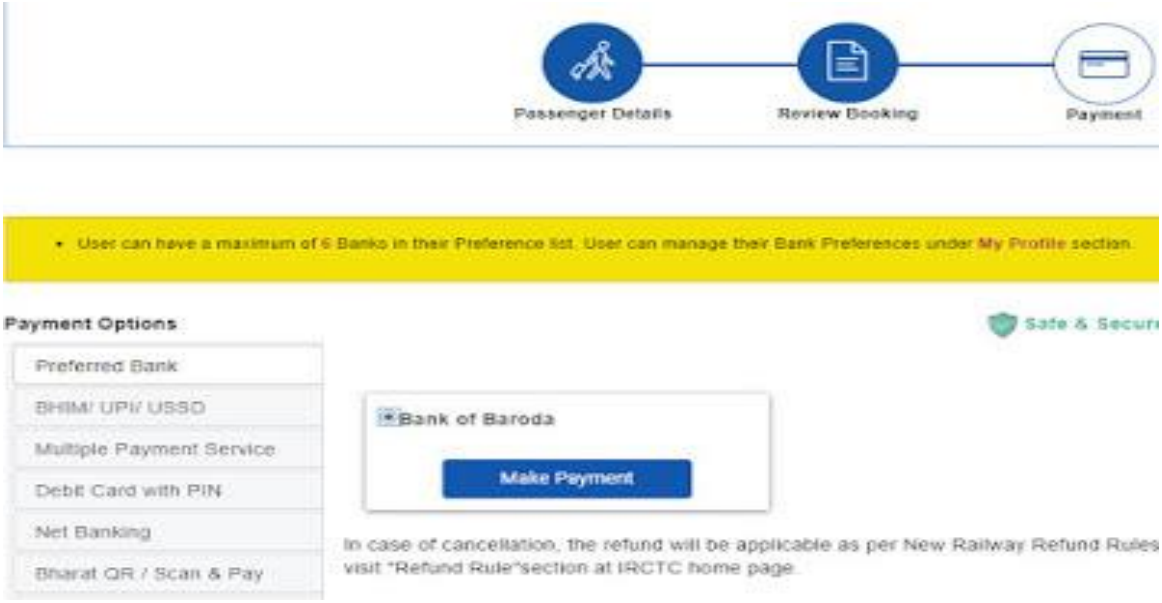

अब आप पेमेंट पेज पर पहुँच कर अपना पसंदीदा बैंक चुनें और क्लिक करें और अपनी टिकट की राशि का भुगतान करें।जब आपका ट्रांसक्शन सफल हो जायेगा तब आपकी टिकट बन जाएगी। टिकट का प्रिंट लेकर आप यात्रा कर सकते है।

9. पैन - ऑनलाइन आवेदन

पैन के नए आवंटन के लिए आवेदन इंटरनेट के माध्यम से किया जा सकता है। इसके अलावा, पैन डेटा में परिवर्तन या सुधार के लिए अनुरोध या पैन कार्ड (किसी मौजूदा पैन के लिए) के पुनर्मुद्रण का अनुरोध भी इंटरनेट के माध्यम से किया जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन NSDL (https://tin.tin.nsdl.com/pan/index.html) या UTITSL के पोर्टल (https://www.pan.utiitsl.com/PAN/index.jsp) के माध्यम से किया जा सकता है। पैन के लिए आवेदन करने का शुल्क रु 93 (गुड्स एवं सर्विस टैक्स को छोड़कर) भारतीय संचार पते के लिए और विदेशी संचार पते के लिए रु 864 (गुड्स एवं सर्विस टैक्स को छोड़कर)। आवेदन शुल्क का भुगतान क्रेडिट / डेबिट कार्ड, डिमांड ड्राफ्ट या नेट-बैंकिंग के माध्यम से किया जा सकता है। एक बार आवेदन और भुगतान स्वीकार हो जाने के बाद, आवेदक को NSDL / UTITSL को कूरियर / पोस्ट के माध्यम से सहायक दस्तावेज (Supporting Documents) भेजने की आवश्यकता होती है। दस्तावेजों की प्राप्ति के बाद ही, पैन आवेदन NSDL / UTITSL द्वारा प्रोसेस किया जाता है ।

RBI के दिशानिर्देशों के अनुसार, ई-कॉमर्स लेन-देन करने वाली संस्थाओं को ऑनलाइन लेनदेन निष्पादित करते समय पिन (PIN) प्रदान करना आवश्यक है। इसलिए, क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड / नेट बैंकिंग का उपयोग करके ऑनलाइन पैन / टैन ऍप्लिकेशन्स के लिए भुगतान करने से पहले, आवेदक को उन बैंकों से पिन प्राप्त करना आवश्यक है, जिनके क्रेडिट कार्ड / डैबिट कार्ड / नेट बैंकिंग का उपयोग किया जा रहा है। ऑनलाइन पैन आवेदन करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

https://www.tin-nsdl.com/services/pan/pan-index.html

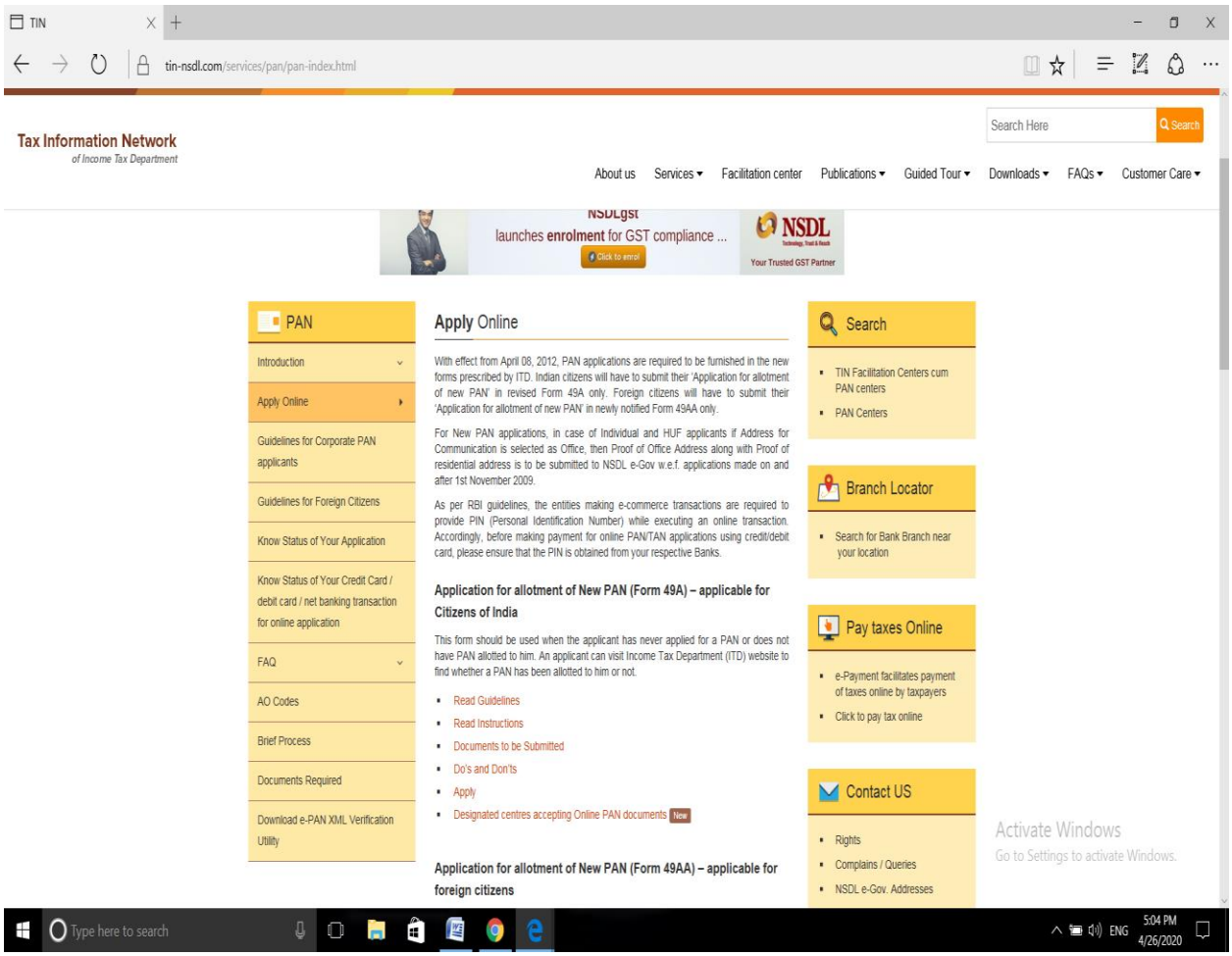

लिंक पर क्लिक करने पर आपको "Application for allotment of New PAN (Form 49A) – applicable for Citizens of India" दिखाई देगा ,उसमें जाकर आप "Apply " पर क्लिक करे।

जब आप "Apply " पर क्लिक करेंगे तो आप नीचे दिया गए वेब पेज पर पहुँच जायेंगे और चाही गयी जानकारी भरकर आप नवीन पैन नंबर के लिए आवेदन कर सकते हैं।

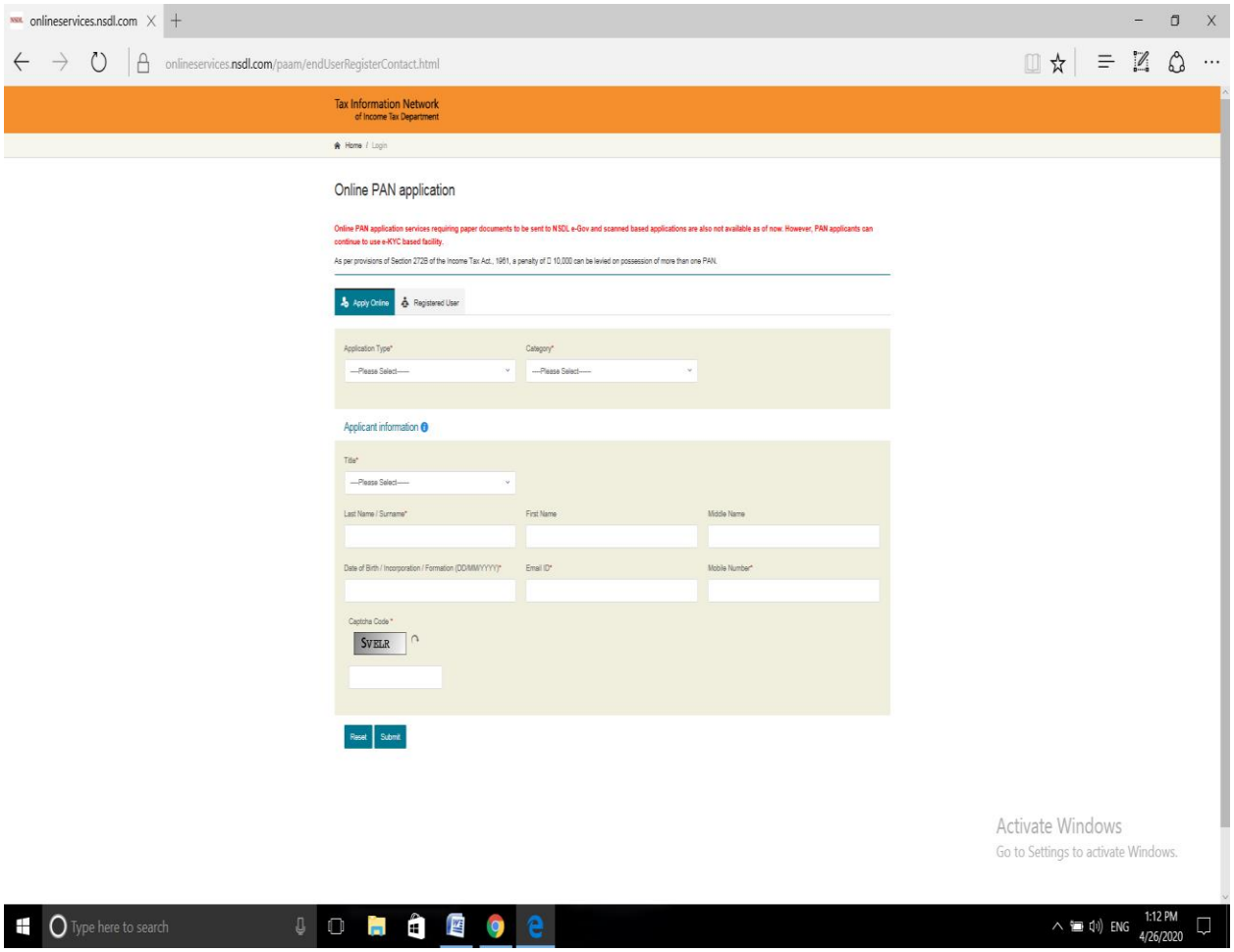

9.1 पासपोर्ट - ऑनलाइन आवेदन

जिस तरह हम पैन के ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अधिकृत वेबसाइट का उपयोग करते है वैसे ही पासपोर्ट के ऑनलाइन आवेदन के लिए आप https://portal2.passportindia.gov.in/AppOnlineProject/online/procFormSubOnl लिंक पर क्लिक करें। लिंक पर क्लिक करते ही आप नीचे दिए गए पेज पर पहुँच जायेंगे।

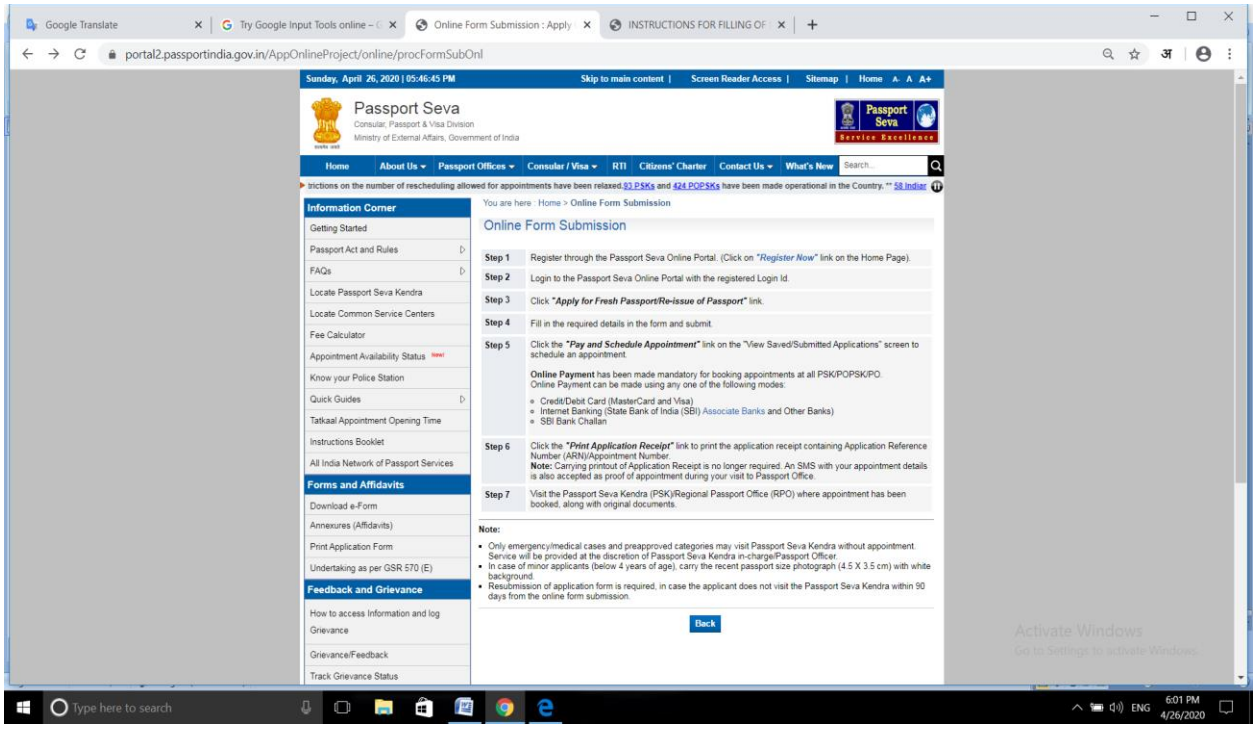

1. पासपोर्ट सेवा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रजिस्टर करें। (होम पेज पर " रजिस्टर नाउ " लिंक पर क्लिक करें)।
2. रजिस्टर्ड लॉगिन आईडी के साथ पासपोर्ट सेवा ऑनलाइन पोर्टल पर लॉगइन करें।
3. "पासपोर्ट के लिए ताज़ा पासपोर्ट / पुनः जारी करने के लिए आवेदन करें" लिंक पर क्लिक करें।
4. फॉर्म में आवश्यक विवरण भरें और सबमिट करें।
5. अपॉइंटमेंट को शेड्यूल करने के लिए " व्यू सेव / सब्मिट एप्लिकेशन" स्क्रीन पर "पे शेड्यूल अपॉइंटमेंट " लिंक पर क्लिक करें। सभी पीएसके / पीओपीएसके / पीओ में अपॉइंटमेंट की बुकिंग के लिए ऑनलाइन भुगतान अनिवार्य कर दिया गया है।

निम्न विधियों में से किसी एक का उपयोग करके ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है-

1.क्रेडिट / डेबिट कार्ड (मास्टर कार्ड और वीजा)
2.इंटरनेट बैंकिंग (भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एसोसिएट बैंक और अन्य बैंक)
3. एसबीआई बैंक चालान

4. एप्लीकेशन रिफरेन्स नंबर (एआरएन) / अपॉइंटमेंट नंबर वाले आवेदन रसीद को प्रिंट करने के लिए "प्रिंट एप्लीकेशन रिसीप्ट " लिंक पर क्लिक करें।

नोट: एप्लिकेशन रसीद का प्रिंटआउट ले जाना अब आवश्यक नहीं है। पासपोर्ट कार्यालय में आपकी विजिट के दौरान आपकी अपॉइंटमेंट के विवरण के साथ एक एसएमएस भी अपॉइंटमेंट के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा ।

5. मूल दस्तावेजों के साथ पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) / क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) पर जाएं जहां अपॉइंटमेंट बुक किया गया है।

9.2 आधार नंबर

आधार नंबर, प्राधिकरण द्वारा निर्धारित सत्यापन प्रक्रिया को संतुष्ट करने के बाद भारत के निवासियों के लिए यूआईडीएआई ("प्राधिकरण") द्वारा जारी 12-अंकों की क्रमरहित (Random) नंबर है। कोई भी व्यक्ति, किसी भी उम्र और लिंग का हो , जो भारत का निवासी है, स्वेच्छा से आधार नंबर प्राप्त करने के लिए नामांकन कर सकता है। नामांकन के इच्छुक व्यक्ति को नामांकन प्रक्रिया के दौरान न्यूनतम जनसांख्यिकीय और बायोमेट्रिक जानकारी प्रदान करनी होती है, जो पूरी तरह से निशुल्क है।आधार के लिए एक व्यक्ति को केवल एक बार नामांकन करने की आवश्यकता है और डी-डुप्लीकेशन के बाद केवल एक ही आधार तैयार किया जाता है , क्योंकि जनसांख्यिकीय और बायोमेट्रिक डी-डुप्लीकेशन की प्रक्रिया के माध्यम से विशिष्टता (uniqueness) प्राप्त की जाती है।

9.2.1 आधार कार्ड नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन

आप आधार कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते। आप केवल नामांकन केंद्रों के लिए, अपॉइंटमेंट तिथि के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आधार कार्ड लागू करने के लिए, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के साथ / बिना, आपको खुद आधार कार्ड नामांकन केंद्र पर जाना होगा।

सभी आधार कार्ड केंद्रों में ऑनलाइन नियुक्ति की सुविधा नहीं है। यदि आपका स्थान ऑनलाइन अपॉइंटमेंट एप्लिकेशन वेबसाइट में सूचीबद्ध नहीं है, तो आपको किसी भी आधार कार्ड केंद्र में खुद आवेदन करना होगा।

आप आधार कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए पूर्व अपॉइंटमेंट के बिना किसी भी नजदीकी आधार कार्ड केंद्र पर जा सकते हैं। आधार कार्ड अपॉइंटमेंट ऑनलाइन बुक करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें https://appointments.uidai.gov.in/EACenterSearch.aspx?value=2 एवं नजदीकी आधार केंद्र के लिए अपॉइंटमेंट बुक कर करे।

10. बिजली बिल का ऑनलाइन भुगतान

यह युग सूचना प्रौद्योगिकी में उन्नति के लिए जाना जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी की उन्नति के कारण सभी प्रकार की नागरिक सुविधा आप ऑनलाइन प्राप्त कर सकते है, जैसे ऑनलाइन रिजर्वेशन,ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन ट्रेनिंग एवं रोजमर्रा के सभी काम आप ऑनलाइन कर सकते है। आजकल आप बिजली बिल का भुगतान भी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है। बिजली बिल का ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करने की प्रक्रिया में सबसे पहले मीटर रीडर मशीन के द्वारा आपके घर से मीटर रीडिंग नोट कर के बिजली बिल आपको देगा और बिल सम्बन्धी सारी जानकारियाँ वेबसाइट पर अपलोड होने के बाद आप अपने कंस्यूमर नंबर या एकाउंट नंबर एंटर करके बिजली बिल का भुगतान कर सकते है। बिजली बिल का भुगतान आप बिजली कंपनी की अधिकृत वेबसाइट, paytm , ऍम पी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है। बिजली बिल भुगतान को हम मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत् वितरण कंपनी की अधिकृत वेबसाइट के उदाहरण से समझेंगे।

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत् वितरण कंपनी की अधिकृत वेबसाइट पर "click here to pay "पर क्लिक करे।

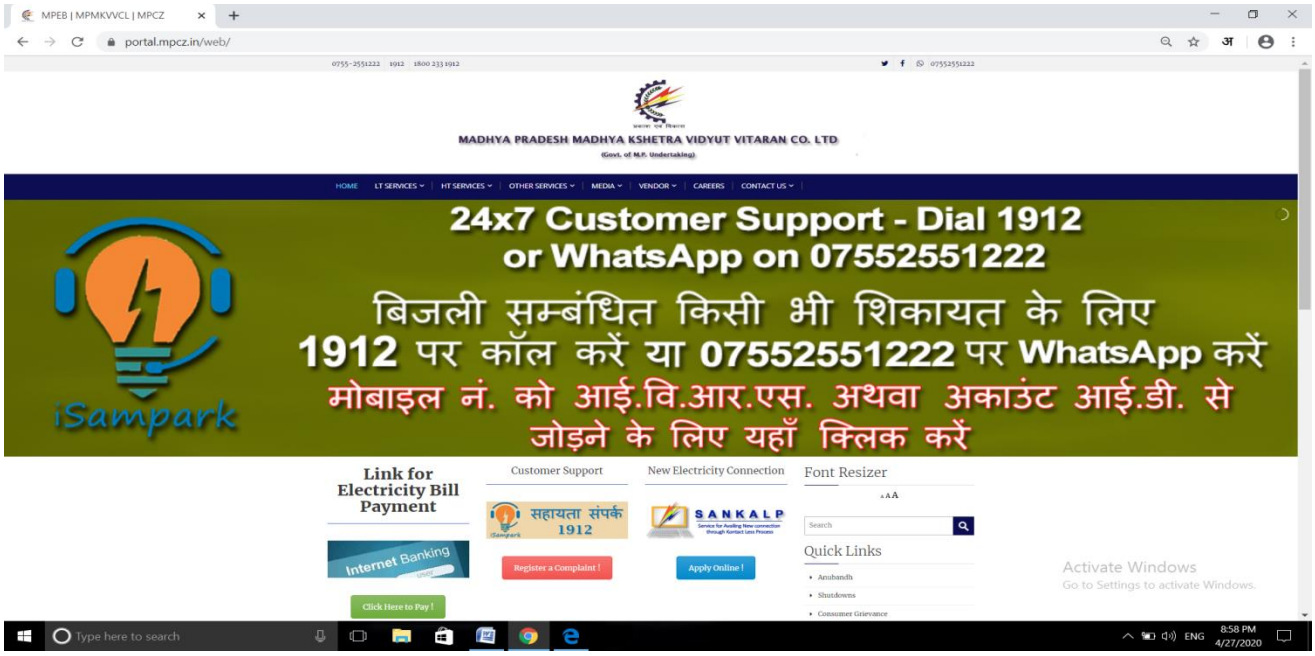

"click here to pay "पर क्लिक करने पर आप नए पेज में नेविगेट करेंगे, जहाँ आपको एकाउंट नंबर सेलेक्ट करके एकाउंट नंबर दर्ज करना होगा।सबमिट बटन पर क्लिक करके आपको बिल सम्बन्धी सारे विवरण एवं बिल राशि प्राप्त होगी। आप अपने बिजली बिल भुगतान के लिए PAY बटन पर क्लिक करे एवं डेबिट /क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन बैंकिंग /यू पी आई के माध्यम से बिल का भुगतान करे एवं रसीद प्राप्त करे।

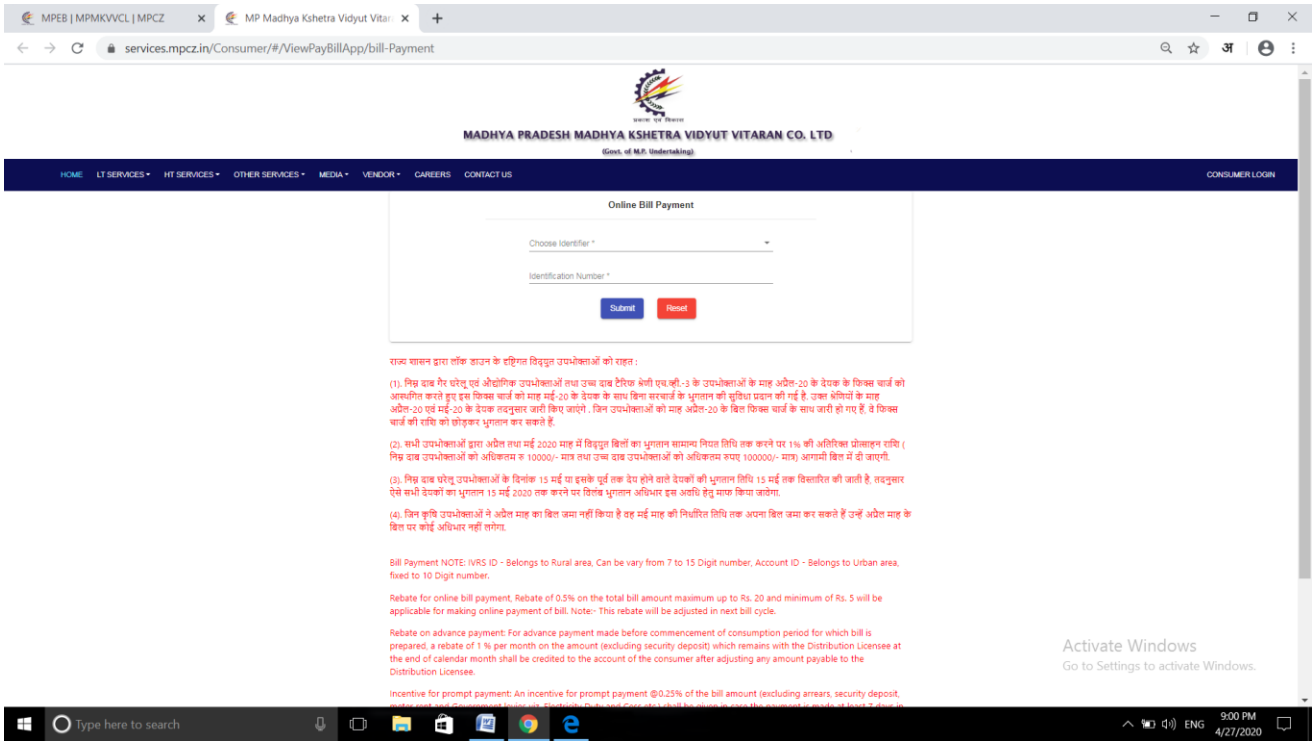

11. सर्विस टैक्स

सर्विस टैक्स कुछ सर्विस ट्रांसक्शन्स पर सेवा प्रदाताओं पर सरकार द्वारा लगाया जाने वाला टैक्स है, लेकिन वास्तव में ग्राहकों द्वारा वहन किया जाता है। यह अप्रत्यक्ष टैक्स के तहत वर्गीकृत है और वित्त अधिनियम, 1994 के तहत अस्तित्व में आया।यह एक प्रकार का अप्रत्यक्ष टैक्स है, जो ट्रैवल एजेंटों, रेस्तरां, कैब सेवाओं आदि द्वारा प्रदान की जाने वाली टैक्स योग्य सेवाओं का उपभोग करने के बाद सरकार द्वारा एकत्र किया जाता है।

11.1 सर्विस टैक्स का ऑनलाइन भुगतान

ऑनलाइन टैक्स का भुगतान करने के लिए निम्नलिखित चरणो का अनुसरण कीजिये -

- आप सर्विस टैक्स के भुगतान के लिए (http://www.tin-nsdl.com) विजिट करे।
- इसके बाद आप Services Tab पर क्लिक करे।
- इसके बाद ड्रॉप डाउन लिस्ट में से e-payment : Pay Taxes Online विकल्प पर क्लिक करें|

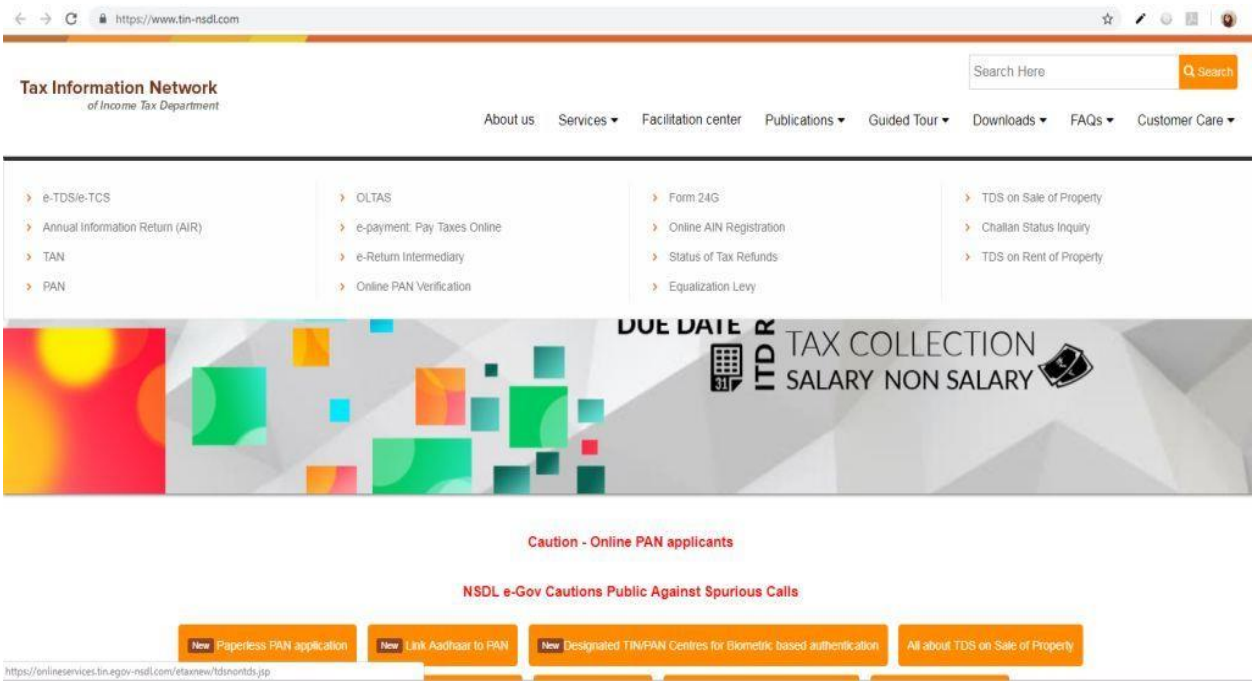

फिर आप निम्न में से अपने सम्बंधित चालान का चयन करे-

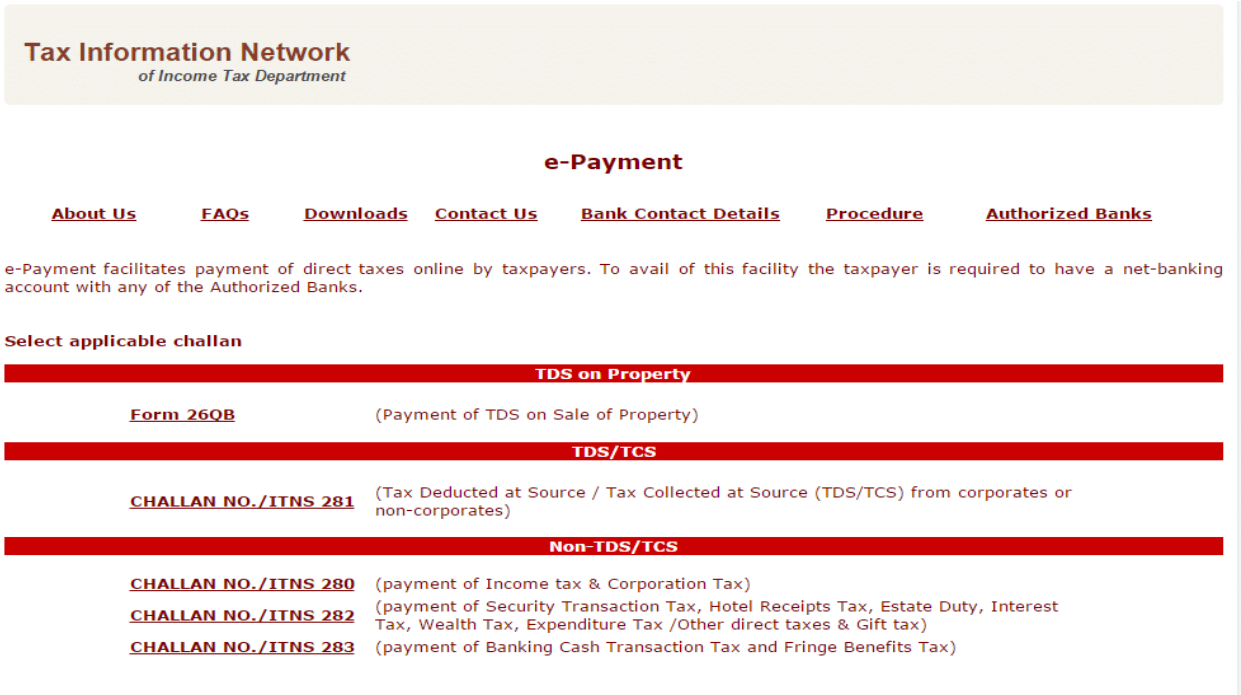

- पैन / टैन (एप्लीकेबल हो तो) और अन्य अनिवार्य चालान विवरण जैसे एकाउंटिंग हैड , जिसके तहत भुगतान किया जा रहा है, करदाता का पता और बैंक जिसके माध्यम से भुगतान किया जाना है आदि दर्ज करें।

- दर्ज डेटा जमा करने पर, एक कन्फर्मेशन स्क्रीन प्रदर्शित की जाएगी। यदि PAN / TAN ITD PAN / TAN मास्टर के अनुसार मान्य है, तो मास्टर के अनुसार करदाता का पूरा नाम कन्फर्मेशन स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा।

- दर्ज किए गए डेटा की पुष्टि पर, करदाता को बैंक की नेट-बैंकिंग साइट पर निर्देशित किया जाएगा।

- करदाता को नेट-बैंकिंग साइट पर नेट-बैंकिंग के लिए बैंक द्वारा प्रदान किए गए यूजर आईडी / पासवर्ड के साथ लॉगिन करना होगा और बैंक साइट पर भुगतान विवरण दर्ज करना होगा।

- सफल भुगतान पर एक चालान काउंटर फिल प्रदर्शित किया जाएगा जिसमें सीआईएन, भुगतान विवरण और बैंक नाम शामिल है जिसके माध्यम से ई-भुगतान किया गया है। यह counterfoil भुगतान का सबूत है।

12. ऑनलाइन गैस बुकिंग

एलपीजी या तरलीकृत पेट्रोलियम गैस सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली रसोई गैस है। लकड़ी या मिट्टी के तेल के बराबर एक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल, एलपीजी अब एक व्यापक वितरक नेटवर्क के माध्यम से आसानी से उपलब्ध है। भारत सरकार हर साल एक निश्चित संख्या में सिलेंडरों की लागत में सब्सिडी देती है, जिससे परिवारों को अपनी ईंधन जरूरतों के लिए रसोई गैस का उपयोग करना सस्ता हो जाता है।

एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग पहले एक लंबी और थकाऊ प्रक्रिया हुआ करती थी, क्योंकि ऐसा करने का एकमात्र तरीका व्यक्ति को स्वयं एलपीजी डीलरशिप पर जाकर बुकिंग करनी होती थी । गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लम्बी प्रतीक्षा करनी होती थी और उपलब्धता के आधार पर ग्राहकों को वितरित किया जाता था और घर पहुँच सेवा भी उपलब्ध नहीं थी एवं ग्राहक को स्वयं गोदाम से जाकर गैस सिलेंडर प्राप्त करना होता था । ये सभी संकट अब बीते समय की बात हैं, जिसमें तीन राष्ट्रीय एलपीजी आपूर्तिकर्ता - भारत गैस, एचपी गैस और इंडेन गैस शामिल हैं, जो अपनी सेवाओं को अधिक उपभोक्ता-अनुकूल और पारदर्शी बनाते हैं।

गैस ऑनलाइन कैसे बुक करें-

एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग अब एक बटन के क्लिक पर अपने घर से आराम से की जा सकती है। इंडेन गैस, एचपी गैस और भारत गैस सभी की अपनी ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग सेवाएं हैं, जो ग्राहकों को गैस डीलरशिप पर कॉल करने या जाने की परेशानी के बिना एलपीजी सिलेंडर रिफिल बुक करने की सुविधा प्रदान करती हैं।

- ऑनलाइन गैस बुकिंग का लाभ यह है कि उपभोक्ता नेट-बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं।
- जो उपभोक्ता ऑफिस या अन्य काम पर रहते हैं और अपने रिफिल सिलेंडर की डिलीवरी नहीं ले सकते , अब रिफिल ऑर्डर करने के समय सिर्फ प्री-पे कर सकते हैं।

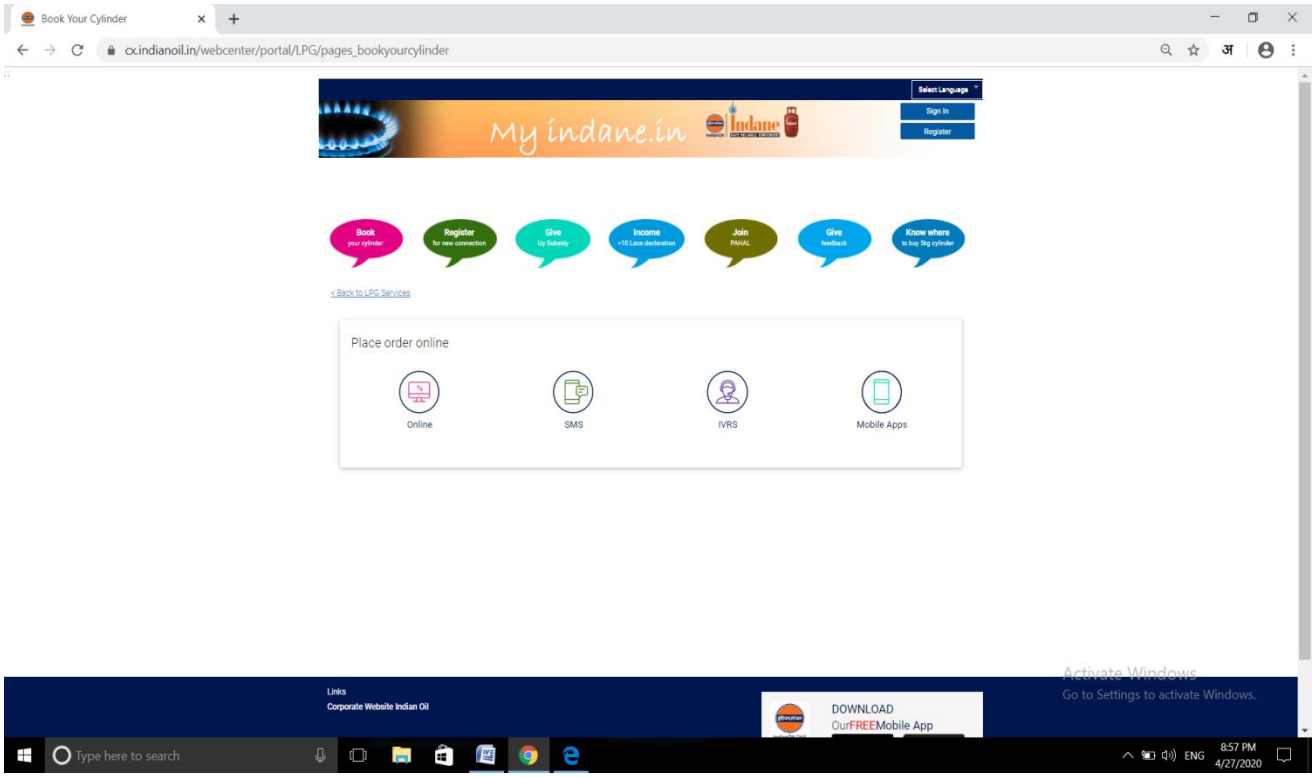

- सिलेंडर डिलीवर होने के बाद, उपभोक्ता को एक एसएमएस या ईमेल पर सूचना मिलेगी।
- यह सुविधा हाल ही में शुरू की गई है और सिलेंडर रिफिल की बुकिंग को एक अधिक सुविधाजनक प्रक्रिया बना दिया है ।

- ऑनलाइन सिलेंडर बुक करने के लिए, अपने एलपीजी प्रदाता (एचपी, भारत गैस या इंडेन) की वेबसाइट पर जाएँ और अपना रजिस्ट्रेशन करें।

- एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आपको ऑनलाइन रिफिल बुक करने का विकल्प दिखाई देगा। निर्देशों का पालन करें और अपना भुगतान ऑनलाइन करें या डिलीवरी पर नकदभुगतान करें।

13. ईबुक (eBook)

ईबुक एक इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में प्रकाशित पुस्तक है। यह इंटरनेट पर डाउनलोड करके किसी पुस्तक तक तुरंत पहुंचने की अनुमति देता है। पुस्तक को कंप्यूटर, ई-रीडर (जैसे, अमेज़ॅन किंडल), स्मार्टफोन या टैबलेट पर पढ़ा जा सकता है। एक ईबुक को विभिन्न

फ़ाइल स्वरूपों में प्रकाशित किया जा सकता है, उदाहरण के लिए, प्लैन टेक्स्ट , पीडीएफ, रिच टेक्स्ट फॉर्मेट , इमेज फ़ाइलों आदि ।

13.1 कंप्यूटर पर ईबुक डाउनलोड करने की प्रक्रिया

यदि आपने ऑनलाइन बुकस्टोर के माध्यम से ईबुक का आर्डर दिया है, तो अपने वर्कस्टेशन पर ईबुक डाउनलोड करने के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करे :
नोट: ई-बुक देखने के लिए आपको एक e -Reader इंस्टॉल करना होगा।

1. बुकस्टोर वेबसाइट पर ब्राउज़ करें।
2. साइन इन पर क्लिक करें।
3. ईमेल पता और पासवर्ड दर्ज करें फिर लॉगिन पर क्लिक करें।
4. माय एकाउंट पर क्लिक करें।
5. डाउनलोड सेंटर पर क्लिक करें।
6. जिस ईबुक को आप डाउनलोड करना चाहते हैं, ईबुक के नाम के बगल में डाउनलोड बटन पर क्लिक करें।
7. सेव पर क्लिक करें।
9. आपके कंप्यूटर में उस स्थान को चुनें जहां आपका ई-पुस्तक को सेव करना है।
10. एक बार डाउनलोड पूरा हो जाने के बाद, अपने डिफ़ॉल्ट e -Reader के साथ इसे खोलने के लिए eBook पर डबल-क्लिक करें।

इंटरनेट पर आपको बहुत सी वेब साइट्स मिल जाएँगी जो अपने यूजर को विभिन्न विषयों की ईबुक्स निशुल्क डाउनलोड करने की सुविधा प्रदान करता है। निम्नलिखित लोकप्रिय वेब साइट्स की सूचि से अपने पसंदीदा विषय की आप निशुल्क ई-बुक्स डाउनलोड कर सकते है -

13.1.1 प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग(Project Gutenberg)

प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग सार्वजनिक डोमेन से 57,000 से अधिक निशुल्क ई-बुक्स प्रदान करता है। यह पढ़ने और पुनर्वितरण के लिए स्वतंत्र है। कोई शुल्क देय नहीं है, और कोई कस्टम एप्लिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। आपको प्रोजेक्ट गुटेनबर्ग पर नवीनतम बेस्टसेलर नहीं मिलेंगे, लेकिन आपको बिना किसी लागत के 24/7 बहुत सारी शानदार किताबें मिल जाएंगी ।

13.1.2 ओपन लाइब्रेरी (Open Library)

ओपन लाइब्रेरी एक गैर-मुनाफे वाली इंटरनेट आर्काइव है जो ओपन और एडिट करने योग्य लाइब्रेरी कैटलॉग है।

13.1.3 गूगल ईबुकस्टोर (Google eBook store)

गूगल ईबुक स्टोर के पास विशाल संग्रह से निशुल्क पुस्तकों तक पहुंचने का एक विकल्प है, जिसमें सैकड़ों क्लासिक्स और समकालीन बेस्टसेलर हैं।

13.1.4 अमेज़न फ्री किंडल बुक्स (Amazon Free Kindle Books)

अमेज़ॅन फ्री किंडल बुक्स डाउनलोड के लिए शीर्ष निशुल्क ईबुक्स प्रदान करता है।

13.1.5 इंटरनेट आर्काइव (Internet Archive)

इंटरनेट आर्काइव 15,000,000 से अधिक स्वतंत्र रूप से डाउनलोड करने योग्य पुस्तकों और ग्रंथों को प्रदान करता है। वे हमारे वैश्विक समुदाय को भौतिक वस्तुओं में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, साथ ही साथ इंटरनेट आर्काइव पर सीधे डिजिटल सामग्री अपलोड करते हैं।

14. बुकमार्क (Book Mark)

बुकमार्क एक सेव किया गया शॉर्टकट है, जो आपके ब्राउज़र को एक विशिष्ट वेबपेज पर निर्देशित करता है, जिसमें आप पहले विजिट कर चुके हैं । बुकमार्क को सेव करने पर आपको आसानी से वेब पर अपने पसंदीदा वेब साइट्स तक पहुंचने की सुविधा देता है। सभी प्रमुख वेब ब्राउज़र आपको बुकमार्क बनाने की सुविधा देते हैं, हालांकि प्रत्येक ब्राउज़र उन्हें प्रबंधित करने का थोड़ा अलग तरीका प्रदान करता है।

14.1 वेब ब्राउज़र पर बुकमार्क बनाने की प्रक्रिया

इंटरनेट बुकमार्क आपके द्वारा सबसे अधिक देखी जाने वाली वेब साइट्स पर जल्दी से वापस नेविगेट करने का एक शानदार तरीका है। बुकमार्क बनाने के लिए निम्लिखित निर्देशों का पालन करें -

यदि आप बुकमार्क क्रिएशन मेनू को शीघ्रता से एक्सेस करना चाहते हैं, तो सभी प्रमुख वेब ब्राउज़र जैसे इंटरनेट एक्स्प्लोरर ,मोज़िला फायर फॉक्स और गूगल क्रोम Ctrl + D शॉर्टकट की (Key) कॉम्बिनेशन का समर्थन करते हैं।

14.1.1 इंटरनेट एक्स्प्लोरर

यदि आप इंटरनेट एक्सप्लोरर का उपयोग कर रहे हैं, तो इन चरणों का पालन करें-

- माइक्रोसॉफ्ट इंटरनेट एक्सप्लोरर ब्राउज़र खोलें।
- उस पृष्ठ पर नेविगेट करें जिसे आप बुकमार्क करना चाहते हैं।
- Ctrl + D प्रैस करे या ☆ आइकन पर क्लिक करें जो यूजर को एड्रेस बार के दाईं ओर एक पेज को बुकमार्क करने की सुविधा देता है।

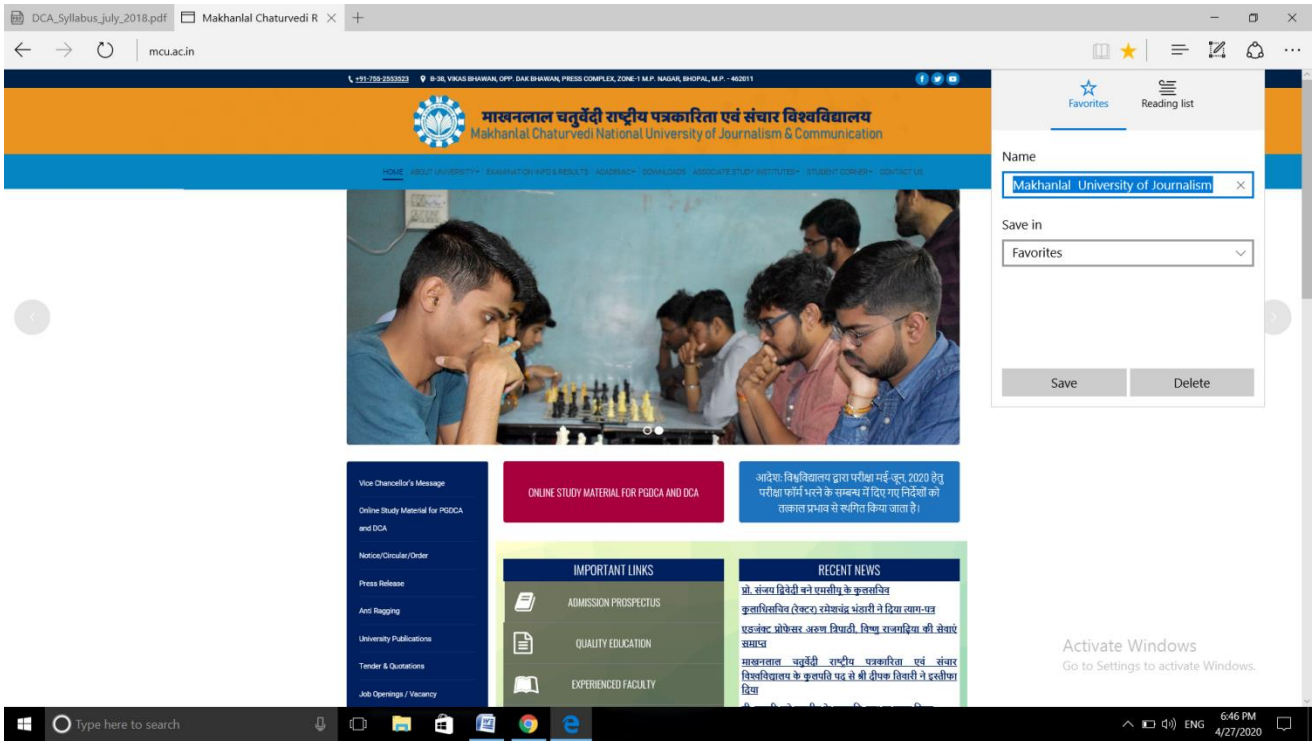

इसी प्रक्रिया का पालन करते हुए आप **गूगल क्रोम** और **मोज़िला फायरफॉक्स** में **Ctrl + D** प्रैस करे या ☆ आइकन पर क्लिक करे जो यूजर को एड्रेस बार के दाईं ओर एक पेज को बुकमार्क करने की सुविधा देता है।

15. ऑनलाइन सर्विस

एक ऑनलाइन सर्विस इंटरनेट पर प्रदान की गई किसी भी जानकारी और सेवाओं को संदर्भित करती है। ये सेवाएं न केवल ग्राहकों को एक-दूसरे के साथ संवाद करने की अनुमति देती हैं, बल्कि वे असीमित जानकारियों तक पहुंच भी प्रदान करती हैं। ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करना अपने ग्राहकों के साथ जुड़ने का एक प्रभावी तरीका है। उदाहरण के लिए, यदि आप एक रेस्तरां संचालित करते हैं, तो आप अपनी वेबसाइट पर अपना मेनू डाल सकते हैं। आपकी वेबसाइट पर संपर्क विवरण, जैसे ईमेल एड्रेस और फोन नंबर को सूचीबद्ध कर सकते है ।

15.1 जस्ट डायल (Just Dial)

जस्टडायल एक कंपनी है, जो फोन और ऑनलाइन पर भारत में विभिन्न सेवाओं के लिए लोकल सर्च प्रदान करती है। वीएसएस मणि द्वारा 1996 में स्थापित, कंपनी का मुख्यालय मुंबई, भारत में है। कंपनी सर्च और संबंधित सेवाएं प्रदान करती है। यह अन्य सूचना सेवा गतिविधियों में भी संलग्न है।कंपनी विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे वॉइस, वेब, मोबाइल इंटरनेट और मोबाइल अनुप्रयोगों में अपनी सेवाएं प्रदान करती है।

जस्टडायल फोन, एसएमएस और इंटरनेट के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को जानकारी प्रदान करने वाली सुविधा डेटा प्रक्रिया के संग्रह पर काम करती है । कंपनी का रेवेन्यू मॉडल प्रीमियम सदस्यता या वर्गीकृत विज्ञापनों की सूची, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और खरीदारों को डेटा बेचने का है। प्रारंभ में, यह टेलीफोन निर्देशिका आधारित मॉडल के रूप में काम करता था। जस्ट डायल समस्त प्रकार की जानकारियों का एक विशाल डेटाबेस है, जिसकी टैग लाइन है **-"Search for anything ,anywhere in India "**. आप अपने दिनचर्या में शामिल समस्त उपयोगी वेंडर्स, ऑनलाइन सर्विसेज ,डेली नीड्स ,केमिस्ट,होटल एवं समस्त प्रकार की जानकारियां जस्ट डायल के माध्यम से सर्च कर सकते है और अपना काम आसान बना सकते है। ग्राहकों को किसी प्रकार शुल्क देय नहीं होता है।

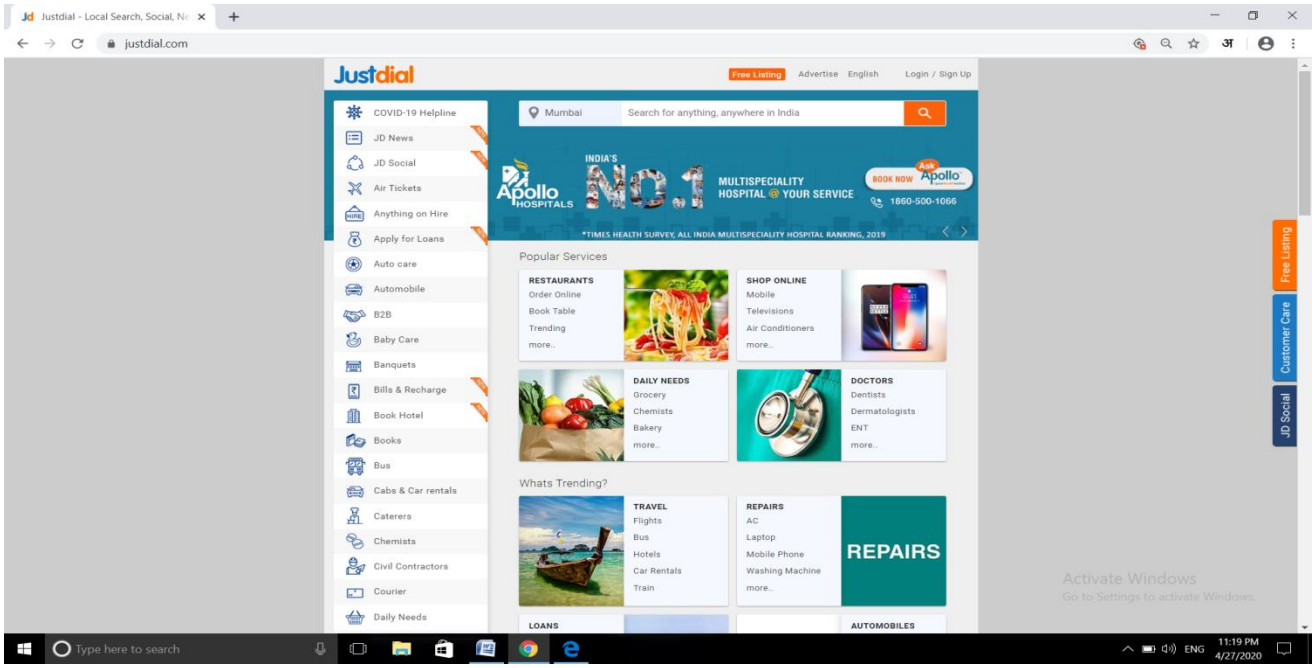

15.2 क्विकर (Quikr)

क्विकर एक भारतीय वर्गीकृत विज्ञापन का प्लेटफार्म है। यह 2008 में प्रणय चुलेट और जिबी थॉमस द्वारा स्थापित किया गया था। क्विकर का मुख्यालय बैंगलोर में स्थित एवं भारत में 1000 से अधिक शहरों में मोबाइल फोन, घरेलू सामान, कारें, रियल एस्टेट, नौकरियां, सेवाएं और शिक्षा जैसी श्रेणियों में सूचीबद्ध हैं।

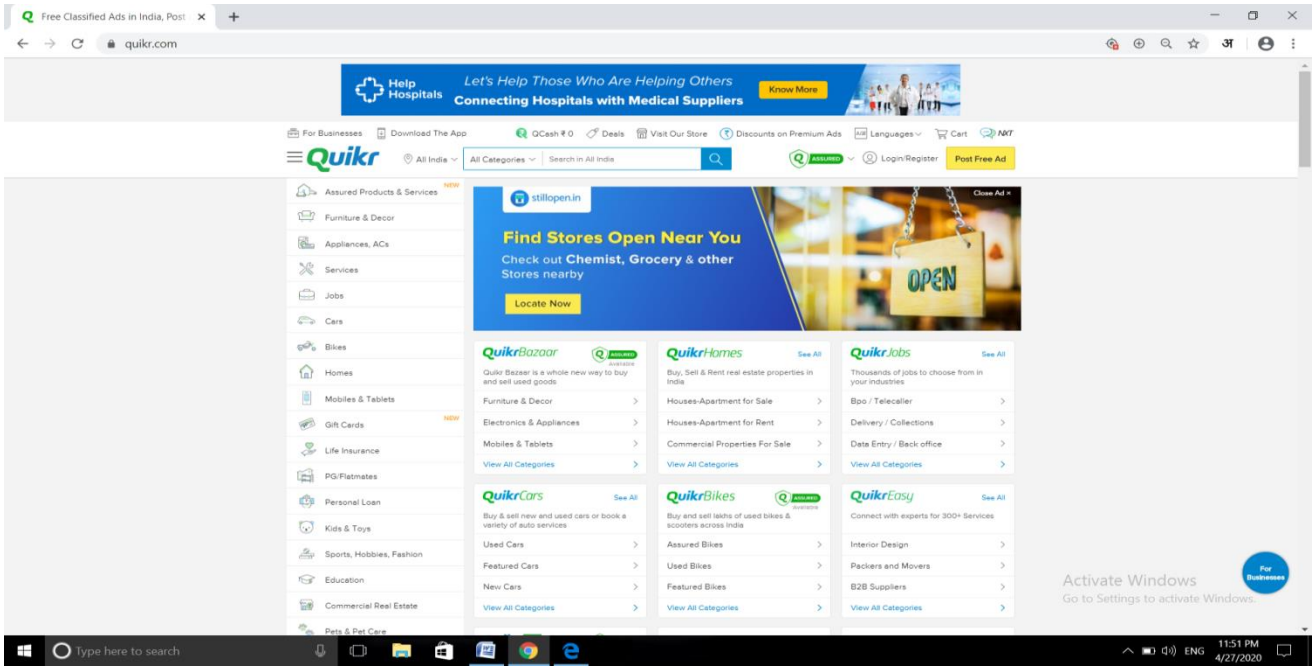

15.3 सुलेखा (Sulekha)

सुलेखा भारत में स्थानीय सेवा व्यवसायों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसमें यह 20+ मिलियन उपभोक्ताओं के साथ लगभग 40 शहरों में 200 श्रेणियों में 50,000 सर्विस प्रोफेशनल के साथ कार्य करता है। सुलेखा होम, लाइफ , सेल्फ और यूजर की जरूरत के हिसाब से कस्टमाइज़ किया जाता है। प्रौद्योगिकी और डोमेन इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए, प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ता की आवश्यकता को विस्तार से समझने की कोशिश करता है और इसे सत्यापित सर्विस प्रोफेशनल्स जो कुशल हैं, उनसे इंटरेक्शन करवाता है ।

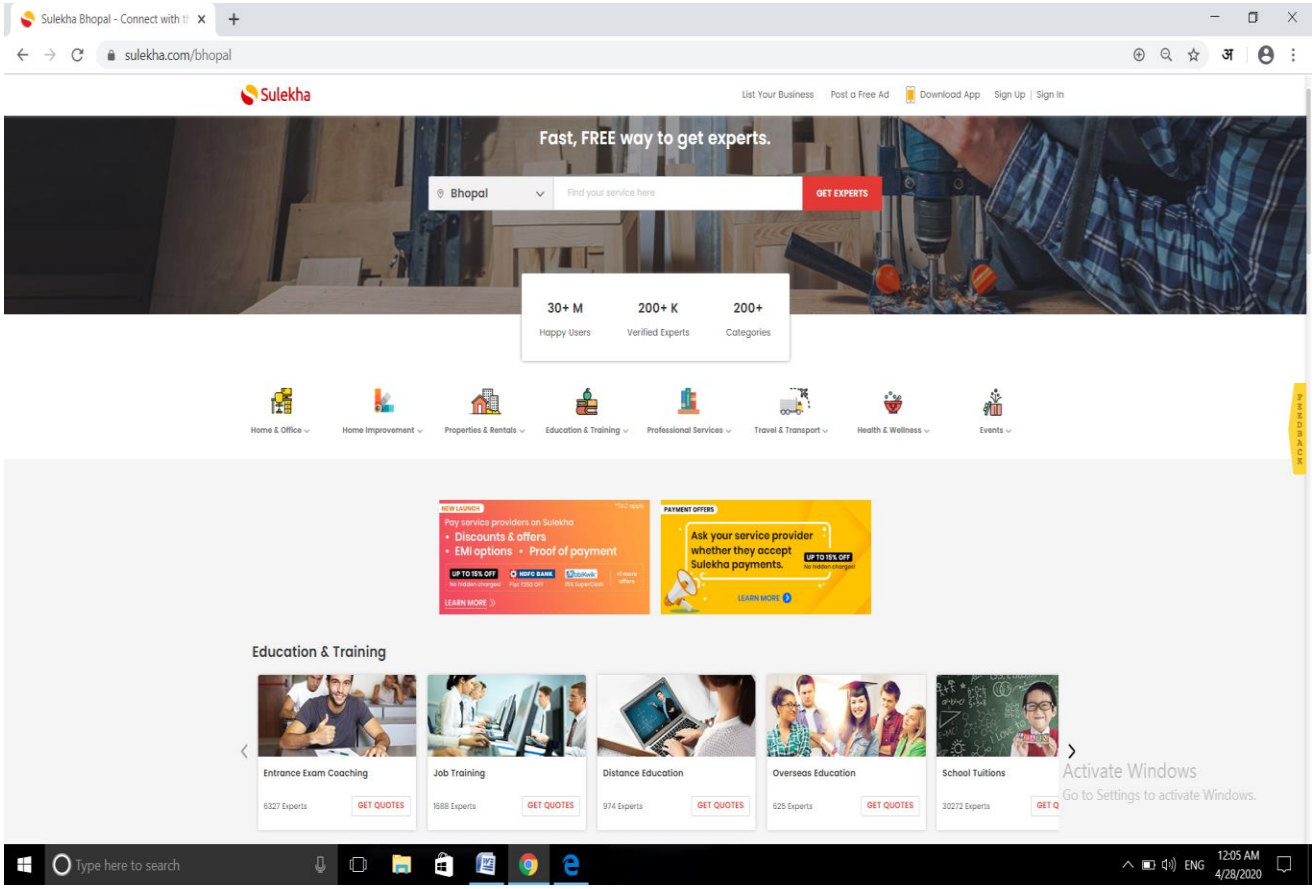

16.सोशल नेटवर्किंग

सोशल नेटवर्किंग इंटरनेट-आधारित सोशल मीडिया साइट्स का उपयोग है ,जो दोस्तों, परिवार, सहकर्मियों, ग्राहकों या ग्राहकों के साथ जुड़े रहने की सुविधा प्रदान करता है । फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन और इंस्टाग्राम जैसी साइट्स के माध्यम से सोशल नेटवर्किंग का एक सामाजिक उद्देश्य, एक व्यावसायिक उद्देश्य या दोनों हो सकता है। सोशल नेटवर्किंग ग्राहकों को अधिक संख्या में जोड़ कर रखने और व्यवसाय में प्रगति करने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है।
कुछ कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, फेसबुक सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय सोशल नेटवर्क बना हुआ है, जिसमें फेसबुक प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले दो बिलियन से अधिक लोग हैं।

प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट के नाम

- Facebook
- myspace
- Twitter
- Wechat
- Whatsapp
- Instagram
- Google+
- BaiduTieba
- Skype
- Viber
- Line
- SinaWeibo
- Snapchat
- Linkedln
- Telegram
- Reddit
- Taringa

16.1 सोशल नेटवर्किंग साइट्स के फायदे

सोशल नेटवर्किंग साइट्स किसी के लिए भी सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए उपकरण हैं। दुनिया भर में लाखों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग, अच्छे कार्य जैसे धन एकत्रित करने , सामाजिक जागरूकता, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने और बहुत से अच्छे कार्यो के लिए कर रहे हैं। अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो सोशल नेटवर्किंग साइट्स के बहुत सारे फायदे हैं, जो निम्नानुसार है -

- **नेटवर्किंग बॉर्डर के बिना**

  सोशल नेटवर्किंग साइट्स के सबसे महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय लाभों में से एक यह है, कि यह हर किसी को किसी भी देश से जुड़ने में सक्षम बनाता है।

- **त्वरित समाचार और सूचना**

  सोशल नेटवर्किंग साइट में त्वरित संचार एक-से-कई व्यक्तियों तक कर सकते हैं। हमें विभिन्न समाचार वेबसाइटों पर जाकर समाचारों की तलाश करने की आवश्यकता नहीं है, समाचार हमें फेसबुक, ट्विटर जैसी आधुनिक सामाजिक नेटवर्किंग साइट्स पर मिल जाते है ।

- **व्यापार के लिए विपणन (Marketing) चैनल**

  सोशल नेटवर्किंग साइट्स इस दुनिया में उपलब्ध सबसे अच्छे मार्केटिंग चैनलों में से एक हैं।सोशल मीडिया मार्केटिंग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स या फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब, इत्यादि सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर उपयोग की जाने वाली मार्केटिंग तकनीक के लिए वर्णित शब्द है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर 4 बिलियन से अधिक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता हैं, जो आपके व्यवसाय या सेवा के बारे में आपकी जानकारी प्राप्त करने के लिए तैयार हैं।

- **जागरूकता और सक्रियता**

  हमने पहले ही दुनिया भर में महान आधुनिक क्रांतियों और घटनाओं को देखा है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स ने इस तरह के क्रांतियों और घटनाओं में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जैसे कि "ऑक्युपाई वॉलस्ट्रीट", अरब स्प्रिंग, द लीबियन रिवोल्यूशन, हांगकांग विरोध आदि।

  लगभग सभी इंटरनेट उपयोगकर्ता कम से कम एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। संदेश को फैलाना और जागरूकता और सक्रियता के लिए घटनाओं में भाग लेने के लिए कई लोगों को आमंत्रित करना आसान है।

- **विचारों और सहयोग का आदान-प्रदान**

  फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स में ग्रुप और डॉक्यूमेंट शेयरिंग जैसी कोलैबोरेशन फीचर्स हैं। कोई एक समूह बना सकता है और एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए विचारों और सूचनाओं को साझा करना शुरू कर सकता है। विभिन्न विचारों पर प्रतिक्रिया और टिप्पणियां एकत्र करने के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट बहुत उपयोगी हैं।

16.2 सोशल नेटवर्किंग के हानियां

- **एडिक्शन**

सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि के कारण विकसित किया गया बाध्यकारी व्यवहार नकारात्मक प्रभाव डालता है। सोशल नेटवर्किंग एडिक्ट लगातार सोशल मीडिया फीड की जांच करता है या घंटों और घंटों तक लोगों की प्रोफाइल की जांच करता है।

- **मानसिक बीमारी**

सोशल नेटवर्किंग साइट्स मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे अवसाद, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को बढ़ाती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से बहुत अधिक समय बिताने के परिणामस्वरूप चिंता और / या अवसाद के लक्षण हो सकते हैं।

- **धोखाधड़ी और घोटाले**

यह सोशल मीडिया कंपनियों के लिए एक और चुनौती है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर सहित विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइटों पर अरबों फर्जी अकाउंट हैं। कंपनी ने कहा कि फेसबुक छह महीने में 3 बिलियन से अधिक फर्जी अकाउंट हटाता है और फेसबुक के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में से पांच प्रतिशत फर्जी है।

- **भ्रामक जानकारी**

यह सोशल नेटवर्किंग कंपनियों के लिए शायद सबसे चुनौतीपूर्ण समस्या है। फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ ही समय में वायरल हो सकती है। फेसबुक पर, लिंक पर प्रतिक्रिया करने वाले 80% से अधिक लोग पूरा लेख या सामग्री नहीं पढ़ते हैं। जिसके कारण कई प्रकाशक और स्पैमर्स नकली और भ्रामक जानकारी साझा करके प्लेटफार्मों का दुरुपयोग कर रहे हैं।

- **साइबरबुलिंग**

साइबर बुलिंग दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसमे साइबर का मतलब इंटरनेट कंप्यूटर , मोबाइल टेक्नोलॉजी और बुलिंग का मतलब परेशान करना, भयभीत करना या डरा धमका कर काम करवाना। मतलब सोशल मीडिया पर किसी को जानबूझकर परेशान करना या धमकाने वाले मैसेज , कमैंट्स और इमेज / वीडियो भेजकर इंटरनेट या मोबाइल तकनीक का उपयोग करना।

चूंकि कोई भी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग कर सकता है और अपने विचारों को व्यक्त कर सकता है, बहुत से लोग घृणा और आक्रामकता व्यक्त करने के लिए इसका उपयोग करते हैं। सार्वजनिक क्षेत्रों से जुड़े लोग साइबरबुलिंग के आमतौर पर लक्षित शिकार होते हैं। विशेष रूप से किशोरों को फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट आदि सोशल नेटवर्किंग साइट्स के उपयोग के माध्यम से साइबरबुलिंग का खतरा है। साइबरबुलिंग भी अवसाद, चिंता और आत्मघाती विचारों के जोखिम से जुड़ा हुआ है।

17. क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर

क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर एक कंप्यूटिंग मॉडल है, जिसमें सर्वर क्लाइंट द्वारा उपभोग किए जाने वाले अधिकांश संसाधनों और सेवाओं को होस्ट करता है, वितरित करता है और उनका प्रबंधन करता है। इस प्रकार के आर्किटेक्चर में एक या एक से अधिक क्लाइंट कंप्यूटर होते हैं, जो नेटवर्क या इंटरनेट कनेक्शन पर केंद्रीय सर्वर से जुड़े होते हैं। यह सिस्टम कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करता है। क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर को नेटवर्किंग कंप्यूटिंग मॉडल या क्लाइंट / सर्वर नेटवर्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि सभी अनुरोध और सेवाएं एक नेटवर्क पर वितरित की जाती हैं।

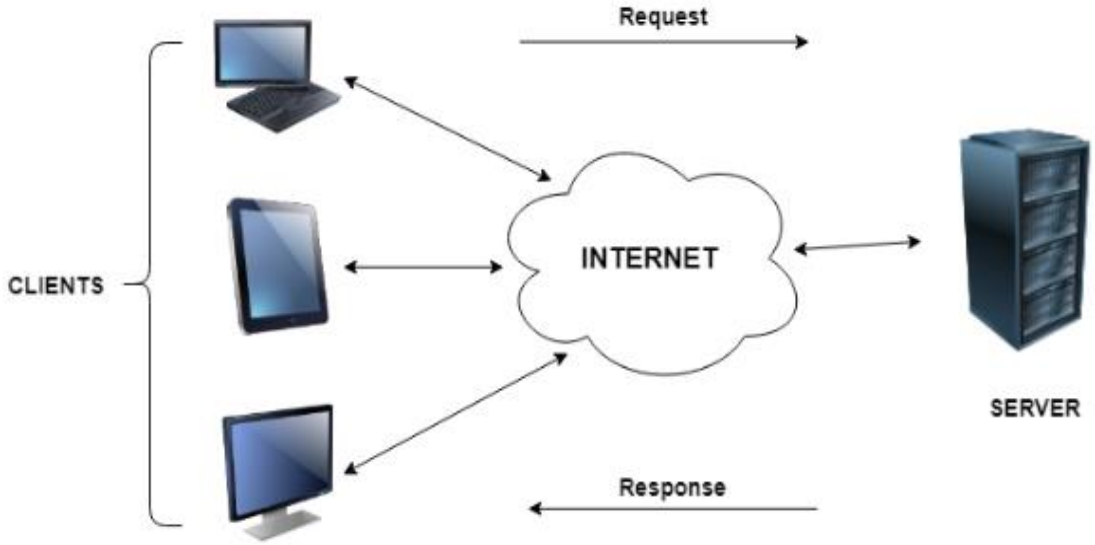

17.1 क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चरका कार्य

क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर एक प्रोड्यूसर / कंस्यूमर कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर है, जहां सर्वर प्रोड्यूसर और क्लाइंट एक कंस्यूमर के रूप में कार्य करता है। सर्वर क्लाइंट के मांग पर हाई एन्ड , कंप्यूटिंग-इंटेंसिव सेवाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं में एप्लिकेशन एक्सेस, स्टोरेज, फाइल शेयरिंग, प्रिंटर एक्सेस और / या सर्वर की रॉ कंप्यूटिंग पावर तक सीधी पहुंच शामिल हो सकती है।

क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर तब काम करता है, जब क्लाइंट कंप्यूटर नेटवर्क कनेक्शन पर सर्वर को एक संसाधन या प्रोसेस रिक्वेस्ट भेजता है, जिसे फिर क्लाइंट को प्रोसेस और वितरित किया जाता है। एक सर्वर कंप्यूटर एक साथ कई क्लाइंट्स को प्रबंधित कर सकता है, जबकि एक क्लाइंट को एक बार में कई सर्वरों से जोड़ा जा सकता है, प्रत्येक सर्वर विभिन्न प्रकार की सर्विस प्रदान करता है। अपने सरलतम रूप में, इंटरनेट भी क्लाइंट / सर्वर आर्किटेक्चर पर –vsfew 00 आधारित है, जहां वेब सर्वर वेबसाइट डेटा के साथ कई उपयोगकर्ताओं को सेवा देते हैं।

17.2 क्लाइंट सर्वर कम्प्यूटिंग के विशेषताएँ

- क्लाइंट सर्वर कंप्यूटिंग रिक्वेस्ट और रिस्पांस की एक प्रणाली के साथ काम करता है।
- क्लाइंट सर्वर के लिए एक रिक्वेस्ट भेजता है और सर्वर वांछित जानकारी के साथ रिस्पांस करता है।
- क्लाइंट और सर्वर को एक आम संचार प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए ताकि वे आसानी से एक दूसरे के साथ इंटरैक्ट कर सकें।
- सभी संचार प्रोटोकॉल एप्लीकेशन लेयर पर उपलब्ध हैं।
- एक सर्वर केवल एक समय में सीमित संख्या में क्लाइंट रिक्वेस्ट को समायोजित कर सकता है। इसलिए यह रिक्वेस्ट का जवाब देने के लिए प्राथमिकता के आधार पर एक प्रणाली का उपयोग करता है।
- क्लाइंट सर्वर कंप्यूटिंग सिस्टम का उदाहरण एक वेब सर्वर है। यह उन ग्राहकों के लिए वेब पेज लेकर देता है, जो उनसे अनुरोध करते हैं।

18.टेलनेट (Telnet)

टेलनेट एक पुरानी इंटरनेट सुविधा है, जिसमें आप किसी दूर स्थित कम्प्यूटर मे लॉगिन कर सकते है। दूसरे शब्दों मे यह आपको अपने कम्प्यूटर पर बैठे किसी दूर के कम्प्यूटर का उपयोग करने की सुविधा देता है। इसको रिमोट लॉगिन भी कहा जाता है। सामान्यतः कोई टेलनेट प्रोग्राम आपको दूसरे कम्प्यूटर के लिये एक पाठ्य आधारित विडों देता है। आपको उस सिस्टम के लिये एक लॉगिनप्रॉम्प्ट दिया जाता है। यदि आपको सिस्टम पर पहुचंने की अनुमति है, तो आप उस पर ठीक उसी प्रकार कार्य कर सकते है, जैसे अपने कम्प्यूटर पर करते है। यह सुविधा उन लोगों के लिये बहुत उपयोगी है जो दूसरे कम्प्यूटर्स पर ऐसा कार्य करना चाहते है, जो FTP आदि अन्य सुविधाओं के माध्यम से नहीं किया जा सकता है। स्पष्ट है कि यह सुविधा सबके लिये नहीं है। यह केवल अधिकृत लोगों को ही दी जाती है और प्रत्येक टेलनेट कम्प्यूटर के बाहरी उपयोगकर्ताओ को ऐसी अनुमति देने के अपने नियम होते है। टेलनेट एक एप्लीकेशन लेयर प्रोटोकोल होता है, इसका प्रयोग इंटरनेट और लोकल एरिया नेटवर्क में बाइ -डायरेक्शनल इंटरैक्टिव टेक्स्ट ओरियेन्टेड संचार के लिये किया जाता है, इसके लिए यह वर्चुअल टर्मिनल कनेक्शन को प्रयोग करता है। इसका विकास सन् 1969 में हुआ था और इसे इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स ने स्टैंडर्ड प्रदान किया जिसकी वजह से यह पहला इंटरनेट स्टैंडर्ड बना।

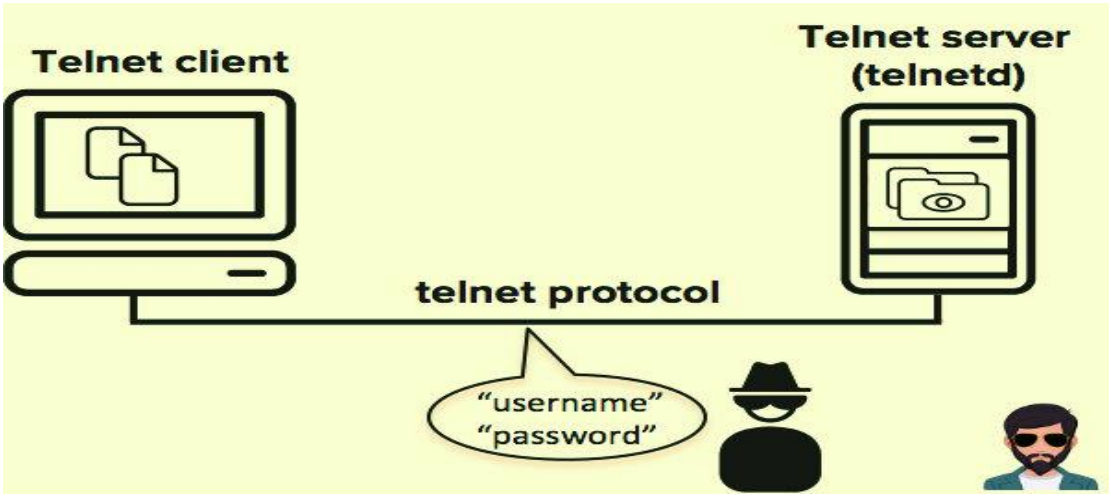

18.1 टेलनेट के उपयोग

- टेलनेट का उपयोग सर्वर पर कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जा सकता है, जिसमें फाइलों को एडिट करना, विभिन्न प्रोग्राम्स को रन करना और ईमेल की जांच करना शामिल है।
- कुछ सर्वर सरल गेम खेलने या मौसम की रिपोर्ट देखने के लिए सार्वजनिक डेटा तक पहुंचने के लिए टेलनेट का उपयोग करके दूरस्थ कनेक्शन को सक्षम बनाते हैं।
- उपयोगकर्ता किसी भी सॉफ़्टवेयर से कनेक्ट करने में सक्षम हैं, जो वेब सर्वर से पोर्ट तक टेलनेट के माध्यम से टेक्स्ट-आधारित, अनएन्क्रिप्टेड प्रोटोकॉल का उपयोग करते है। उपयोगकर्ता रिमोट मशीन के कमांड प्रॉम्प्ट पर टेलनेट और रिमोट मशीन का नाम या आईपी एड्रेस टाइप करे और टेलनेट कनेक्शन पोर्ट को यह देखने के लिए पिंग करेगा कि वह ओपन है की नहीं ।

19. एफ़टीपी (FTP)

एफ़टीपी को फ़ाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल कहा जाता है । एफ़टीपी एक मानक इंटरनेट प्रोटोकॉल है जो टीसीपी / आईपी द्वारा प्रदान किया जाता है जो फ़ाइलों को एक होस्ट से दूसरे में स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह मुख्य रूप से वेब पेज फ़ाइलों को उनके निर्माता से कंप्यूटर पर स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो इंटरनेट पर अन्य कंप्यूटरों के लिए सर्वर के रूप में कार्य करता है।

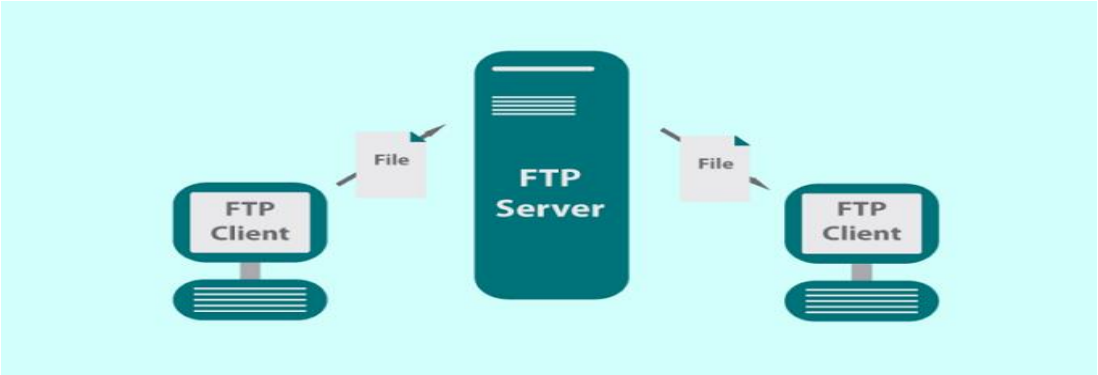

फ़ाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (FTP)

19.1 एफ़टीपी के उपयोग

- एफ़टीपी का उपयोग इंटरनेट पर फ़ाइलों को स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।
- एफ़टीपी का उपयोग सर्वर से फाइल को अपलोड या डाउनलोड करने के लिए किया जाता है।
- क्लाइंट सिस्टम से सर्वर पर फाइल ट्रांसफर करने को अपलोडिंग कहते है और सर्वर से क्लाइंट में फाइल ट्रांसफर करने को डाउनलोडिंग कहते है।
- एफ़टीपी आपकी वेबसाइट पर फ़ाइलों को अपलोड या डाउनलोड करने में मदद करता है।
- एफ़टीपी टीसीपी / आईपी प्रोटोकॉल का एक हिस्सा है। टीसीपी / आईपी प्रोटोकॉल बुनियादी प्रोटोकॉल है और यह इंटरनेट पर काम करता है।